हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक–254 : जौनपुर, गुरुवार 15 जून 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

नकल माफिया समाज के सबसे बड़े दुश्मन, उनका सामाजिक बहिष्कार करें : योगी

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेधावी छात्र सम्मान समारोह में मेधावियों को सम्मानित किया और उन्हें जीवन में कठिन परिश्रम करने का संदेश दिया। मुख्यमंत्री योगी ने विद्यार्थियों से अहंकार से दूर रहने का आह्वान किया।लगभग 44 डिग्री की तपिश और तेज लू का असर भी उस समय गौण हो गया जब प्रदेश भर के मेधावियों को सीएम योगी आदित्यनाथ के हाथों सम्मान मिला। सारी थकान मानों काफूर हो गई। मेधावियों की आंखों में जैसे सारा जहान उतर आया और भविष्य के नए ख्वाबों को जैसे पंख मिल गए। न केवल छात्र छात्राएं बल्कि उनके साथ आए उनके अभिभावक भी इस पल को संजोकर रख लेना चाहते थे। खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे थे। मौका था के मेधावी छात्र सम्मान समारोह का जिसमें सीएम मेधावी छात्र छात्राओं से रूबरू हुए। अपने हाथों से उनका सम्मान किया और पीठ थपथपाई। बुधवार को जैसे जैसे सूरज अपने तेज को बढ़ाता जा रहा था वैसे वैसे उससे ज्यादा उत्साह से गर्मी को मात देते हुए प्रदेश भर से आए मेधावी छात्र छात्राओं के कदम इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान की ओर मजबूती से बढ़ रहे थे। इस प्रतिष्ठान का माहौल कुछ बदला हुआ था। जहां भारी गर्मी के कारण सड़कों पर भीड़ अपेक्षाकृत कम नजर आ रही थी तो इस प्रतिष्ठान में प्रदेश भर से आए छात्र छात्राओं का हुजूम नजर आ रहा था। अमर उजाला ने यहां प्रदेश के कक्षा 10 और 12 के सभी बोर्डों के मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित करने का कार्यक्रम रखा था। मुख्यमंत्री को साढ़े तीन बजे आना था पर उससे पहले ही उनके मत्रिमंडल के कई मंत्री कार्यक्रम में पहुंच चुके थे। खचाखच भरे हॉल में छात्र छात्राओं के बीच जाकर उनसे बात कर चुके थे और उनमें एक नया जोश भर चुके थे। मंच की बजाय उनके बीच में बैठकर उन्हें यह अहसास करा चुके थे कि आज का दिन उनके लिए खास है। अविस्मरणीय है और अमर उजाला की इस मुहिम ने उन्हें विशिष्ट श्रेणी में खड़ा कर दिया है। उनकी प्रतिभा को उचित सम्मान देने का काम किया गया है। उधर छात्र छात्राएं भी उनसे इस तरह से मुखातिब हो रहे थे जैसे उनकी यह मुलाकात पहली न हो। वह उनसे सवाल कर रहे थे और मंत्री मुस्कान के साथ उनका जवाब दे रहे थे। छात्र उनके साथ सेल्फी ले रहे थे। शायद यह उनके जीवन का पहला मौका था कि इस तरह से वे इन मंत्रियों के साथ घुल

मिल गए थे।घड़ी की सुई के हिसाब से ठीक 3 बजकर 30 मिनट पर जैसे ही सीएम योगी का सभागार में प्रवेश हुआ तो पूरा हॉल तालियों से गूंज उठा। छात्रों ने परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए तो कड़ी मेहनत की ही थी पर आज सीएम योगी से मिलने का उनका सपना भी साकार हो रहा था। बाकी सीएम के उद्बोधन ने तो जैसे उनमें नई उर्जा का संचार ही कर दिया। जब सीएम ने बच्चों को पुरस्कार दिए तो बच्चों की आंखों की चमक उनके मन की खुशी बयां कर रही थी। साथ ही भविष्य के सपनों को भी इंगित कर रही थीं। कई बार तो बच्चों से भी ज्यादा उत्साहित उनके अभिभावक नजर आए। अपने बच्चों को लेकर वे सुबह ही राजधानी पहुंच चुके थे और आज अपने सामने अपने बच्चों को सीएम से सम्मानित होते देख रहे थे। अधिकतर तो एक दिन पहले ही यहां आ गए थे। अपने 75 साल पूरे किए और यह अमृत वर्ष है इसका जिक्र बार बार न केवल मंचासीन अतिथियों के जेहन में आ रहा था बल्कि इसका अहसास छात्रों और उनके साथ आए अभिभावकों को भी हो रहा था। सीएम ने तो मंच से इसका जिक्र भी किया। उधर अभिभावकों ने भी कहा कि वास्तव में इन छात्रों पर तो सच्ची अमृत वर्षा हो रही है। उनके लिए ये पल हमेशा यादगार रहेंगे और न केवल उनका मार्गदर्शन करेंगे बल्कि हमेशा उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देंगे।माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी शिक्षिका रही हैं। आज बच्चों को पुरस्कृत करते समय उनका वही रूप नजर आया। उन्होंने इसी तरह से बच्चों को समझाया। उनके कैरियर को लेकर टिप्स् दिए। पुरस्कृत करते समय वही भाव उनके चेहरे पर दिखा जो एक शिक्षिका के चेहरे पर आता है। सीएम और इन मंत्रियों से सम्मान पाकर बच्चे भी निहाल नजर आए।सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नकल माफिया समाज के सबसे बड़े दुश्मन हैं। हमने उनकी कमर तोड़ दी। आप उनका सामाजिक बहिष्कार करें। ये विद्यार्थियों की मेहनत पर डकैती डालते हैं। शिक्षा केवल डिग्री लेना नहीं, बल्कि संपूर्ण व्यक्तित्व के निर्माण का माध्यम भी है। सीएम लोक भवन में आयोजित मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह–2023 में मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित कर रहे थे।मुख्यमंत्री ने बुधवार को विभिन्न बोर्ड के कक्षा 10 और 12 के मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कहा कि 6 वर्ष पहले उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षाओं में नकल के लिए बदनाम था। पूरा साल परीक्षा और परिणाम में ही निकलता था। सरकार बनते ही मैंने लक्ष्य दिया कि एक माह में परीक्षा और परिणाम दोनों आने चाहिए। इस पर 15 दिन के भीतर परीक्षा हुई और 14 दिन के भीतर परिणाम घोषित किया गया। पारदर्शिता से परीक्षा कराई गई। यही रिफार्म है। अब सत्र समय से चलेगा। हमने सामान्य प्रश्न पत्र बनवाया। ऐसा नहीं कि उसे शिक्षक भी हल न कर सकें। नकल पर छात्रों की बजाय कालेज प्रबंधकों, अधिकारियों पर कार्रवाई की। एक डीआईओएस को जेल में डालना पड़ा। इसका परिणाम रहा कि मेहनती छात्रों की मेहनत रंग लाई।

मोदी ने नौ साल में विश्व स्तरीय बुनियादी अवसंरचना का निर्माण किया : अमित शाह

एजेंसी

नयी दिल्ली। उन्होंने ट्वीट किया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र ने निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करने में असाधारण प्रगति के साथ एक विकसित भारत की नींव रखी।'' प्रधानमंत्री मोदी ने नौ वर्षों में विकास को गति देने के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण में तेजी लाकर भारत को आगे बढ़ाया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के नौ साल के कार्यकाल

में विश्व स्तरीय बुनियादी अवसंरचना का निर्माण कर विकसित भारत की नींव रखी है। शाह ने यह भी कहा कि सुस्त परियोजनाओं को पूरा करने से लेकर नयी परियोजनाओं को अभूतपूर्व तेजी के साथ लागू करने तक भारत 'गति और प्रगति' के नौ वर्षों में वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के नेता के रूप में उभरा है।उन्होंने ट्वीट किया, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करने में असाधारण प्रगति के साथ एक विकसित भारत की नींव रखी।'' प्रधानमंत्री मोदी ने नौ वर्षों में विकास को गति देने के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण में तेजी लाकर भारत को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा, ''चाहे वह डिजिटल संपर्क हो, राजमार्ग व हवाई अड्डे का निर्माण हो या रेलवे को दूरदराज के इलाकों में पहुंचाना हो, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा अब भारतीय कहानी का मूल है।

दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण सिंह के खिलाफ दायर की चार्जशीट, नाबालिग पहलवान के यौन शोषण केस में क्लीन चिट!

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली पुलिस हाल ही में एक महिला शिकायतकर्ता को भारतीय कुश्ती महासंघ के कार्यालय में जांच के उद्देश्य से ले गई। ब्रज भूषण पर यौन शोषण का थी। रिपोर्टों में कहा गया है कि यौन उत्पीड़न के आरोपी बृजभूषण के खिलाफ 25 लोगों ने अपने बयान दर्ज कराए, जबकि आरोपों के संबंध में 180 से अधिक लोगों से पूछताछ की गई। दिल्ली पुलिस हाल

आरोप लगाने वाली दो शीर्ष महिला पहलवानों को सबूत के तौर पर ऑडियो, वीडियो, फोटो उपलब्ध कराने को कहा गया।दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती महासंघ के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ चार्जशीट दायर की। चार्जशीट दाखिल होने से पहले बृजभूषण के दिल्ली स्थित आवास के बाहर भारी सुरक्षा तैनात की गई ही में एक महिला शिकायतकर्ता को भारतीय कुश्ती महासंघ के कार्यालय में जांच के उद्देश्य से ले गई। ब्रज भूषण पर यौन शोषण का आरोप लगाने वाली दो शीर्ष महिला पहलवानों को सबूत के तौर पर ऑडियो, वीडियो, फोटो उपलब्ध कराने को कहा गया। बृजभूषण के खिलाफ दिल्ली पुलिस को उत्तर प्रदेश से किसी ने गवाही नहीं दी। दिल्ली पुलिस ने दूसरे देशों के कुश्ती संघों को लिखा लेकिन उन्होंने अभी तक कोई इनपुट नहीं भेजा है। ये इनपुट मिलने पर सप्लीमेंट्री चार्जशीट फाइल की जाएगी।दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को कहा कि नाबालिग महिला पहलवान द्वारा भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृज भूषण सिंह के खिलाफ किए गए दावों में कोई ष्पुष्टिकरण सबूतष् नहीं मिला। पुलिस ने दिल्ली की एक अदालत के समक्ष ॅथ्प् प्रमुख के खिलाफ च्व्ब्ैव् अधिनियम के तहत दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की सिफारिश की। दिल्ली पुलिस के अधिकारी मामले में कैंसिलेशन रिपोर्ट दाखिल करने के लिए पटियाला हाउस कोर्ट पहुंचे। सूत्रों ने कहा कि बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली नाबालिग अपने बयान से पलट गई। उसने कहा कि उसने डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ मामला दायर किया क्योंकि वह चयनित नहीं होने से नाराज थी। नाबालिग पहलवान के मामले पर विशेष लोक अभियोजक अतुल श्रीवास्तव ने कहा कि हमने POCSO मामले में अंतिम रिपोर्ट दाखिल कर दी है। सुनवाई की अगली तारीख 4 जुलाई है।

रामनगरी में बोले योगी आदित्यनाथ, अयोध्या का विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक

लखनऊ। मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप श्ध र्मनगरीश अयोध्या का समग्र विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है।दो दिवसीय अयोध्या दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर ट्रस्ट के संतों और अधिकारियों से मुलाकात की और इस बात पर जोर दिया कि मंदिर और शहर का विकास उनकी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। अयोध्या में चल रही विकास परियोजनाओं की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने राम मंदिर निर्माण की प्रगति का भी जायजा लिया। वह पूजा–अर्चना करने के लिए हनुमानगढ़ी भी गए और राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप श्धर्मनगरीश अयोध्या का समग्र विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश और दुनिया के लोग शदिव्य, भव्य, नव्य अयोध्या देखने के लिए उत्सुक हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि अयोध्या आने वाला हर श्रद्धालु और पर्यटक शांति, संतोष और आनंद की विशेष भावना के साथ वापस जाए।

विफलताओं से ध्यान हटाने, ध्रुवीकरण के एजेंडे को जायज ठहराने के लिए व्याकुल है सरकार : कांग्रेस

एजेंसी

नयी दिल्ली। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि विधि आयोग को अपनी विरासत का ध्यान रखना चाहिए और यह भी याद रखना चाहिए कि देश के हित भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से अलग होते हैं। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया विधि आयोग द्वारा समान नागरिक संहिता को लेकर उठाया गया नया कदम यह दर्शाता है कि मोदी सरकार अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाने और ध्रुवीकरण के अपने एजेंडे को वैधानिक रूप से जायज ठहराने के लिए व्याकुलहै। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि विधि आयोग को अपनी विरासत का ध्यान रखना चाहिए और यह भी याद रखना चाहिए कि देश के हित भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से अलग होते हैं। उल्लेखनीय है कि विधि आयोग ने बुधवार को कहा कि उसने राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दा 'समान नागरिक संहिता' (यूसीसी) पर लोगों तथा मान्यता प्राप्त धार्मिक संगठनों के

सदस्यों सहित विभिन्न हितधारकों के विचार आमंत्रित कर नये सिरे से परामर्श की प्रक्रिया बुधवार को शुरू कर दी।इससे पहले, 21वें विधि आयोग ने मुद्दे की पड़ताल की थी और समान नागरिक संहिता पर दो मौकों पर सभी हितधारकों के विचार मांगे थे। उसका कार्यकाल अगस्त 2018 में समाप्त हो गया था। रमेश ने एक बयान में कहा, '' यह बात अजीबोगरीब है कि विधि आयोग नए सिरे से राय ले रहा है, जबकि उसने अपनी विज्ञप्ति में खुद स्वीकार किया है कि उससे पहले के विधि आयोग ने इस विषय पर अगस्त 2018 में परामर्श पत्र प्रकाशित किया था।'' उन्होंने दावा किया कि इसका कोई कारण नहीं दिया गया कि इस विषय पर अब विचार क्यों हो रहा है।रमेश ने कहा कि विधि आयोग ने इस विषय की विस्तृत और समग्र समीक्षा करने के बाद यह कहा था कि फिलहाल न तो समान नागरिक संहिता की जरूरत है और ना ही यह वांछित है। उन्होंने आरोप लगाया, ''यह ताजा प्रयास बताता है कि सरकार अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाने और ध्रुवीकरण के अपने एजेंडे को वैधानिक रूप से सही ठहराने के लिए व्याकुल है।'' कांग्रेस महासचिव ने कहा, '' विधि आयोग ने दशकों से राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर बहुत सारे काम किए हैं। उसे उस विरासत का ध्यान रखना चाहिए और यह भी याद रखना चाहिए कि राष्ट्र के हित भाजपा की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से अलग होते हैं।

एक युवा चेहरा जिसने भाजपा के लिए तमिलनाडु में जगाई उम्मीद, कभी सिंघम का दिया गया था नाम

एजेंसी

नयी दिल्ली। भ्रष्टाचार को लेकर डीएमके सरकार को घेरने की कोशिश में अन्नामलाई को सफलता भी मिली है। एमके स्टालिन की सरकार में रहे पलानीवेल थियागा राजन पर अन्नामलाई जबरदस्त तरीके से आक्रामक रहे।देश की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा भले ही खुद को सबसे बड़ी पार्टी बताती हो, लेकिन यह बात सत्य है कि दक्षिण भारत के कई राज्यों में अभी भी उसका जनाधार काफी सीमित है। कर्नाटक को छोड़ दें तो बाकी के दक्षिण भारत के राज्यों में भाजपा अभी भी अपने दम पर खड़े होने की कोशिश में जुटी हुई है। पार्टी तमिलनाडु में भी अपनी पूरी ताकत लगा रही है। लेकिन ऐसा लग रहा है कि भाजपा की उम्मीदों को फिलहाल पर मिल गया है। इसका कारण यह है कि तमिलनाडु के भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई जबरदस्त तरीके से सुर्खियों में रहते हैं। वह डीएमके के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की आलोचना तो करते ही हैं, साथ ही साथ पार्टी के लिए जमीन पर भी संघर्ष के लिए तत्पर रहते हैं। हाल के दिनों में देखें तो भ्रष्टाचार को लेकर अन्नामलाई डीएमके से अकेले लोहा ले रहे हैं। डीएमके के कथित भ्रष्टाचार को सामने लाने के लिए वह लगातार संघर्ष कर रहे हैं। भ्रष्टाचार को लेकर डीएमके सरकार को घेरने की कोशिश में अन्नामलाई को सफलता भी मिली है। एमके स्टालिन की सरकार में रहे पलानीवेल थियागा राजन पर अन्नामलाई जबरदस्त तरीके से आक्रामक रहे। दबाव में आकर इन्हें स्टालिन की सरकार ने अपने कैबिनेट फेरबदल में आईटी मंत्रालय आवंटित कर दिया। इसको लेकर अन्नामलाई ने एक वीडियो क्लिप जारी किया था। वहीं, राज्य के एक अन्य मंत्री सेंथिल बालाजी को प्रवर्तन निदेशालय ने हाल में ही गिरफ्तार किया है। सेंथिल बालाजी के ऊपर भी अन्नामलाई जबरदस्त तरीके से आक्रामक रहे हैं। अन्नामलाई राज्यपाल को भी पत्र लिखकर सेंथिल बालाजी को कैबिनेट से हटाने की मांग की थी। फिलहाल तमिलनाडु में इस

बात की चर्चा खूब है कि अन्नामलाई ने अपने दम पर डीएमके सरकार के भीतर भ्रष्टाचार को पूरी तरीके से बेनकाब कर दिया है। इसी के बाद भाजपा का अन्नामलाई पर विश्वास भी बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार दक्षिण भारत में भाजपा की जड़ों को मजबूत करने की कोशिश में लगातार जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में अन्नामलाई का यह उदय हुआ है। अन्नामलाई के उदय से भाजपा के लिए भी उम्मीद जगी है। पिछले दो दशकों की बात करें तो भाजपा राज्य में क्षेत्रीय दलों के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ती रहे हैं। भगवा पार्टी ने राज्य की दोनों बड़ी पार्टियां एआईएडीएमके और डीएमके के साथ गठबंधन कर चुकी है।

बिहार के सीएम नीतीश कुमार की सुरक्षा में बड़ी चूक, सुरक्षा घेरे में घुसे बाइक सवार, फुटपाथ पर कूदकर मुख्यमंती ने बचाई जान

एजेंसी

नयी दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को गुरुवार को पटना के अणे मार्ग पर सुबह की सैर के दौरान फुटपाथ पर कूदने के लिए मजबूर होना पड़ा, जब बाइक सवार दो लोगों ने उनके काफिले में प्रवेश किया। इन लोगों को सीएम की सुरक्षा में सेंध लगाने के आरोप में हिरासत में लिया गया है।बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया हैं। जब 15 जून को बिहार के मुख्यमंत्री अपने डेली रुटीन की मॉर्निंग बॉक करने के लिए निकले थे तब अचानक से एक बाइक उनके सुरक्षा घेरे में घुस गयी और नीतिश कुमार को भागकर फुटपाथ पर चढना पड़ा। अगर नीतिश ऐसा नहीं करते तो उन्हें गंभीर चोट लग सकती थी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को गुरुवार को पटना के अणे मार्ग पर सुबह की सैर के दौरान फुटपाथ पर कूदने के लिए मजबूर होना पड़ा, जब बाइक सवार दो लोगों ने उनके काफिले में प्रवेश किया। इन लोगों को सीएम की सुरक्षा में सेंध लगाने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा पुरुष खतरनाक तरीके से मोटरसाइकिल चला रहे थे। सीएम को किसी तरह के नुकसान से बचने के लिए फुटपाथ पर कूदना पड़ा। बाइक सवार कुमार के सुरक्षा कवच में घुस गए थे, जब वह सर्कुलर रोड के पास सुबह की सैर कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह घटना सर्कुलर रोड के पास हुई, जहां पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी सहित कई राजनेता रहते हैं। पटना एसएसपी और कुछ आला अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। घटना के बाद 7, सर्कुलर रोड पर यातायात को एकतरफा कर दिया गया।आपको बता दें कि इससे पहले नीतिश कुमार ने 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव पर एक बड़ा बयान दिया था और आशंका जताई थी कि चुवान समय से पहले हो सकते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को कहा कि लोकसभा चुनाव समय से पहले होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। नीतीश ने मुख्यमंत्री आवास पर उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और अन्य लोगों की उपस्थिति में यह टिप्पणी की। मुख्यमंत्री ने यहीं से ग्रामीण कार्य विभाग की 6,680.67 करोड़ रुपये की 5,061 परियोजनाओं का शुभारंभ भी किया। विभाग के इंजीनियरों और विभिन्न अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित करते हुए, नीतीश ने कहा, मुझे बताया गया है कि लंबित कार्य जनवरी, 2024 तक पूरे हो जाएंगे। मैं कहूंगा, इससे पहले इन्हें पूरा करने का प्रयास करें। आप कभी नहीं जानते कि चुनावों की घोषणा कब हो सकती है।जद (यू) के शीर्ष नेता नीतीश ने कहा, चुनाव अगले साल नहीं, पहले भी हो सकते हैं।

सम्पादकीय

एआई से चिंतित दुनिया!

घूम–फिर कर सवाल यही आएगा कि क्या ऐसे कानूनों से वह चिंता दूर होगी, जिसके लिए ये सारी कवायद की जा रही है? अक्सर किसी नई तकनीक और उसके प्रभाव को रोकने में कानून अक्षम साबित होते हैं।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अपनी अमेरिका यात्रा की इसे एक बड़ी कामयाबी बताया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने उनकी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) संबंधी योजना को स्वीकार कर लिया। पिछले हफ्ते जब ह्वाइट हाउस में दोनों नेता मिले, तो सुनक ने बाइडेन के सामने प्रस्ताव रखा कि ब्रिटेन एआई के विनियम का केंद्र बनना चाहता है। बाइडेन इस पर सहमत हो गए। जब दो विश्व नेता किसी ऐसे एजेंडे पर सहमत हो, तो यह समझा जा सकता है कि संबंधित मुद्दा दुनिया में किस तरह चिंता का विषय हुआ है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया सहित दुनिया के कई देशों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर सख्त और कड़े कानून बनाने की तैयारी शुरू हो चुकी है। इन कानूनों के तहत दिखने में असली लेकिन फर्जी सामग्री बनाने वाली तकनीकों पर प्रतिबंध ा लगाना भी संभव है। मगर घूम–फिर कर सवाल यही आएगा कि क्या ऐसे कानूनों से वह चिंता दूर होगी, जिसके लिए ये सारी कवायद की जा रही है? अक्सर किसी नई तकनीक और उसके प्रभाव को रोकने में कानून अक्षम साबित होते हैं।

बहरहाल, यह सच है कि इस समय दुनिया भर में एआई को लेकर चिंताएं जताई जा रही हैं। तकनीक की दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोग– मसलन ट्विटर के मालिक इलॉन मस्क और गूगल के सीईओ तक एआई को लेकर चेतावनी दे चुके हैं। ऐसे में उचित ही है कि सरकारें भी इस बात पर विचार करें कि कैसे एआई के दुष्प्रभावों से लोगों को बचाया जाए। पिछले हफ्ते ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय साइंस और तकनीक परिषद ने एक रिपोर्ट जारी की, जिसमें कहा गया कि एआई से तैयार सामग्री कई तरह से नुकसानदायक हो सकती है। मसलन, अगर किसी देश की संसदीय समिति किसी विषय पर जनता से राय मांगती हैं, तो तो एआई के जरिये जनता की फर्जी राय दर्ज कराई जा सकती है, जिससे यह संकेत जाएगा कि कि जनता की राय एक खास पक्ष में है। फिर कॉपीराइट, प्राइवेसी और उपभोक्ता सुरक्षा जैसे मुद्दों पर बनाए गए कानून एआई के नए दौर में नाकाफी हो गए हैं। इसलिए अगर सरकारें नया कानूनी ढांचा बनाना चाहती हैं, यह पहल सही दिशा में मानी जाएगी।

देश में बढ़ता यौन का घृणित अपराध

अजय दीक्षित

यह बर्बर और घिनौना सच राजधानी दिल्ली का ही नहीं, मुम्बई, हैदराबाद, रायपुर, सहारनपुर और केरल के किसी भी शहर का हो सकता है। युवा पीढ़ी भटक चुकी है। उसकी कई स्टोरी हैं। अब 7 उसकी प्राथमिकता श्रिलेशनशिप की है। खाने को दाने न हों, पढ़ाई अभी अधूरी हो, करियर की शुरुआत भी न हुई हो, लेकिन किशोर बच्चे भी श्संबंधश में रहना चाहते हैं। ऐसे संबंधों की नियति सिर्फ श्हत्याश होती है। हम कई मामले ऐसे देख–पढ़ चुके हैं। सबसे ज्यादा झकझोरने वाला प्रसंग श्रद्धा– आफताब का रहा है। हत्यारे ने अपनी लिव इन पार्टनर की हो हत्या कर दी और फिर लाश के 35 टुकड़े कर इधर–उधर बिखेर दिए। हत्यारा आज भी जिंदा है और जेल में है। अदालत में अभी केस चलना है। न जाने सजा कब तक होगी? यदि हमारी न्याय प्रणाली के तहत आफताब को फांसी पर लटका दिया गया होता, तो शायद राजधानी दिल्ली का हत्याकांड न होता ! कातिल मुहम्मद साहिल खान अपनी ही श्दोस्तश की दरिंदगी से, राक्षसी व्यवहार से, हत्या करने से पहले चार बार सोचता ! राजधानी में बीते रविवार को मात्र 20 साल के एक सिरफिरे युवा ने, दिन–दहाड़े, □गुजरते लोगों के बीच, अपनी ही 16 वर्षीया नाबालिग श्दोस्तश की बर्बर हत्या कर दी। खंजरनुमा चाकू से 21 वार किए। लड़की को बार–बार गोदने के बाद, उस पर पत्थर से प्रहार कर उसकी हत्या कर दी। इनसान है या दानव की कोई नस्ल है! राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो दिल्ली को श्अपराध की राजधानीश करार देता रहे अथवा पुलिस की निष्क्रियता, नालायकी के मद्देनजर उसे जमकर कोसा जाए, लेकिन जघन्य अपराध के साथ–साथ यह सामाजिक नैतिकता, मानवीय संस्कार और उदासीनता का भी मामला है। साहिल लडकी पर कातिलाना वार कर रहा था। लडकी मदद के लिए चीख रही थी। गली भरी–पूरी थी और 17 लोग उस दौरान वहां से गुजरे थे। यह सीसीटीवी का प्रमाण है और पुलिस का भी खुलासा है। लोग श्जिंदा मुर्दोंश की तरह वहां से निकल गए। यदि उन्होंने सामूहिक तौर– पर हस्तक्षेप करने की हिम्मत दिखाई होती, तो शायद नाबालिग बेटी आज जिंदा होती! देश की राजधानी दिल्ली इतनी संवेदनहीन और पत्थर दिल भी हो सकती है। यहां की गली–गली, मुहल्ला –दर–मुहल्ला श्अपराधश आम बात है। दिल्ली बेटियों–बच्चियों के लिए ही नहीं, महिलाओं के लिए भी श्घोर असुरक्षितश है। क्या नए भारत का यह एक कुरूप चेहरा भी है, जिसमें 20 साल के नवयुवक के भीतर इतना गुस्सा, असहिष्णुता और हत्या की हद तक आक्रामकता है। बेशक आम आदमी पार्टी और मुख्यमंत्री केजरीवाल दिल्ली के उपराज्यपाल को कोसते रहें, क्योंकि पुलिस उनके ही अधीन है, बेशक भाजपा इसे श्लव जेहादश या श्लव टैपश करार देती रहे, लेकिन यह अपराध का इकलौता मामला नहीं है। आश्चर्यजनक यह है कि पुलिस ने हत्यारे साहिल की गिरफ्तारी के बाद खुलासा किया कि लडका लडकी बीते 3–4 साल से श्रिलेशनशिपश में थे।

किसानों की बेहतरी और कृषि कार्यों को मजबूती देने में सक्रिय है शिवराज सरकार

लोकेन्द्र सिंह राजपूत

मध्यप्रदेश में कर्जमाफी या ब्याजमाफी जैसी स्थितियां न बनें, इस पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का जोर रहा है। कर्जमाफी जैसे योजनाएं किसानों के स्वाभिमान के अनुकूल भी नहीं है। किसान तो अपने पुरुषार्थ से देश–प्रदेश का पोषण करता है।

खेती–किसानी और उससे जुड़े व्यवसाय मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था एवं विकास की धुरी हैं। यह बात मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान एवं उनकी सरकार बखूबी समझती है। मुख्यमंत्री श्री चौहान के हाथ में जब से प्रदेश की कमान है, तब से उन्होंने लगातार किसानों की बेहतरी के लिए प्रयास किए हैं। केंद्र में मोदी सरकार और राज्य में शिवराज सरकार, दोनों ने अपनी प्राथमिकता में किसानों को रखा है। मध्यप्रदेश के राजगढ़ में आयोजित 'किसान–कल्याण महाकुंभ' के आयोजन से सरकार ने यही संदेश देने का प्रयास किया है कि वह किसानों के हितों की चिंता करने में सदैव की तरह अग्रणी रहेगी। महाकुंभ में शिवराज सरकार ने किसानों को राहत देते हुए 2200 करोड़ रुपये कृषि ऋण का ब्याज माफ करने, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की लगभग 1400 करोड़ रुपये की राशि जारी करने और प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में 2900 करोड़ रुपये के दावों के भुगतान अंतरण करने का बड़ा काम किया है। पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कर्जमाफी के वायदे के चक्कर में प्रदेश के किसानों पर कृषि ऋण के ब्याज का बोझ बढ़ गया था, जिसके कारण वे डिफाल्टर हो गए थे, उन्हें सरकार की कृषि संबंध योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था। शिवराज सरकार ने किसानों को इस भंवर से निकाल कर बड़ी राहत दी है। याद हो कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने घोषणा की थी कि "कांग्रेस की पूर्व सरकार के समय वर्ष 2018 में ऋणमाफी की उम्मीद में हजारों किसान डिफाल्टर हो गए और खाद बीज लेने से वंचित हो गए। ऐसे दो लाख रुपये तक के फसल ऋण वाले किसानों की पीड़ा को राज्य सरकार ने समझा है और ब्याज माफी का निर्णय लिया है"। अपनी घोषणा और किसानों के साथ किए वायदे को निभाते हुए पिछले माह ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सागर के प्राथमिक सहकारी साख समिति केरबना के दो किसानों पंचमलाल और जुगरेन्द्र झल्लू का आवेदन भरकर 'मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना' की शुरुआत की दी थी, जिसके अंतर्गत जिला सहकारी केन्द्रीय बैंको से संबद्ध प्रदेश की लगभग साढ़े चार हजार प्राथमिक कृषि साख समितियों में दो लाख रुपये तक के फसल ऋण वाले डिफाल्टर किसानों का ब्याज माफ करने के लिए आवेदन भरने का कार्य शुरु किया गया था।

मध्यप्रदेश में कर्जमाफी या ब्याजमाफी जैसी स्थितियां न बनें, इस पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का जोर रहा है। कर्जमाफी जैसे योजनाएं किसानों के स्वाभिमान के अनुकूल भी नहीं है। किसान तो अपने पुरुषार्थ से देश–प्रदेश का पोषण करता है। प्रदेश के किसानों की अपेक्षा यही रही है कि सरकार ऐसी नीतियां बनाए कि उसे उचित मूल्य पर खाद–बीज और कृषि उपकरण मिलें। कृषि कार्य के लिए बैंक से उचित दर पर लोन मिल जाए। सबसे महत्वपूर्ण उसकी उपज का ठीक मूल्य उसे प्राप्त हो। यह कहने में अतिशयोक्ति नहीं कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने

अपने पहले कार्यकाल से इसी बात पर जोर दिया कि किसान के स्वाभिमान को बढ़ाने एवं उसे आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्या पहल की जाए? मध्यप्रदेश में कैसे किसानों के हित में सरकार काम कर रही है, इस बात को आसानी से और तर्कसंगत ढंग से समझना है, तो हमें लगभग 20 साल पीछे पलट कर देखना चाहिए। आज से लगभग 20 साल पीछे जाएं तब हम जान पाएंगे कि आखिर क्यों प्रदेश बदहाली के दौर से गुजर रहा था? उस वक्त प्रदेश में खेती के लिए न तो बिजली थी और न ही सिंचाई सुविधा। उत्पादन और लागत में बड़ा अंतर था। खेतों के लिए खाद और बीज भी किसान को उपलब्ध नहीं था। किसानों को लगभग 16 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण मिल पाता था। किसान ऋण लेने के बाद उसके ब्याज के बोझ से दब जाता था। शिवराज सरकार ने सबसे पहले इस व्यवस्था को बदला, आज प्रदेश के किसान को शून्य ब्याज दर पर कृषि ऋण मिलता है। किसान क्रेडिट कार्ड ने किसानों को कर्ज उपलब्ध कराने में एक क्रांतिकारी बदलाव ला दिया है।

शिवराज सरकार के प्रयासों से प्रदेश सिंचाई का रकबा भी विगत वर्षों में बढ़ा है। प्रदेश में वर्ष 2003 में जहाँ सिर्फ सात लाख हेक्टेयर के आसपास सिंचित भूमि थी। शिवराज सरकार के प्रयासों से अब यह 45 लाख हेक्टेयर से अधिक है। इसे 2025 तक 65 लाख हेक्टेयर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। नहरों के फैलते जाल से आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश में 65 लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता देखने को मिलेगी। 'किसान–कल्याण महाकुंभ' में लोकार्पित 'मोहनपुरा–कुंडालिया प्रेशराइज्ड पाइप सिंचाई प्रणाली' को सरकार के इसी संकल्प के अंतर्गत देखना चाहिए। लगभग 8500 करोड़ की लागत की यह देश की पहली वृहद प्रेशराइज्ड पाइस सिंचाई परियोजना है। इसके अतिरिक्त भी प्रदेश में नर्मदा कछार की 24 हजार 500 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 5 लाख 50 हजार हेक्टेयर से अधिक की सिंचाई क्षमता वाली 12 परियोजनाओं के निर्माण की कार्यवाहियां प्रारम्भ हो गई हैं। प्रदेश सरकार के आंकड़ों के अनुसार, जल संसाधन विभाग द्वारा निर्माणाधीन 475 सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से 28 लाख हेक्टेयर से अधिक की सिंचाई क्षमता विकसित की जा रही है। इन सब प्रयासों के अतिरिक्त भी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों के हित में निरंतर सराहनीय प्रयास किए हैं। इसके बावजूद कहना होगा कि अभी भी किसानों की स्थिति सुधारने के लिए बहुत काम किए जाने बाकी हैं। उत्साहजनक बात यह है कि इस दिशा में सरकार प्रयासरत भी है।मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कहते हैं कि "अन्नदाताओं की कठिनाइयों को दूर करके उनके जीवन में समृद्धि और खुशहाली लाना ही मेरे जीवन का ध्येय है"। मुख्यमंत्री का यह विचार किसानों के प्रति उनकी संवेदनाओं को भली प्रकार प्रकट करता है। यह ध्येय ही है जिसने मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही किसानों की खुशहाली के लिए नीति बनाने के लिए शिवराज सिंह चौहान को प्रेरित किया। वह पहले मुख्यमंत्री हैं, जिन्होंने किसानों की आय दोगुनी करने का विचार दिया और उस पर नीतिगत प्रस्ताव बनाने की पहल भी प्रारंभ की। उनके इस प्रयास को वर्ष 2014 में केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी आगे बढ़ाया है।'किसान पुत्र' होने की छवि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की विशिष्टता है। उनकी यह छवि राजनीतिक या गढ़ी हुई नहीं है अपितु वास्तविक है। गाँव और खेती–किसानी से उनका गहरा जुड़ाव है। एक छोटे–से गाँव जैत में उनका जन्म साधारण किसान परिवार में हुआ। उन्होंने खेत–खलियान में अपने जीवन का कुछ हिस्सा बिताया है। इसलिए उनके संबंध में कहा जाता है कि वह खेती–किसानी के दर्द–मर्म और कठिनाइयों को भली प्रकार समझते हैं। अपनी इसी छवि के कारण मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान किसानों के बीच सबसे अधिक लोकप्रिय एवं विश्वसनीय हैं। किसानों के हित में निर्णय लेकर उन्होंने यह लोकप्रियता एवं विश्वास कमाया है।

मणिपुर की चिंता करनी चाहिए

अजीत द्विवेदी

पूर्वोत्तर के राज्यों की खबरें राष्ट्रीय मीडिया में तभी आती हैं, जब वहां कोई हिंसा होती है, अलगाववादी आंदोलन जोर पकड़ता है या चुनाव होते हैं। इसके अलावा मुख्यधारा का मीडिया पूर्वोत्तर के घटनाक्रम से तटस्थ बना रहता है। पिछले एक महीने में कई बार मणिपुर मुख्यधारा की राष्ट्रीय मीडिया में सुर्खियों में रहा तो उसका कारण यह था कि वहां हिंसा भड़की थी। कुकी और मैती समुदाय के बीच जातीय हिंसा चल रही है, जिसमें अब तक एक सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। यह हैरान करने वाली बात है कि तीन मई को हिंसा भड़कने के बाद कई दिन तक दिल्ली खबर नहीं पहुंची थी कि वहां क्या हो रहा है। उस दिन से राज्य में इंटरनेट की सेवा बंद हुई, जो अभी तक बंद है और 15 जून तक बंद रहेगी। इस तरह से इंटरनेट बंद किए जाने के खिलाफ दो लोग सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे लेकिन सर्वोच्च अदालत ने भी उनकी याचिका पर जल्दी सुनवाई से इनकार कर दिया। आम लोग संचार के बुनियादी साधनों से महरूम हैं और इसके बावजूद शांति बहाली नहीं हो पा रही है!मणिपुर की हिंसा के बुनियादी कारणों और उसके समाधान के बारे में बात करने से पहले अगर हिंसा के अलग अलग पहलुओं को देखें तो बहुत चिंताजनक तस्वीर उभरती है। मणिपुर हिंसा कैसे शुरू हुई, किस तरह से उसका फैलाव पूरे प्रदेश में हो गया, कैसे इतने लंबे समय तक हिंसा चलती रही और इस दौरान कितनी बर्बरता हुई, इसकी कहानियां बेहद परेशान करने वाली हैं। हाल के दिनों में किसी भी राजनीतिक या सामाजिक आंदोलन में ऐसी बर्बरता नहीं देखने को मिली, जैसी मणिपुर में मिली है। एक सात साल के बच्चे तोंसिंग हैंगिंग की बर्बर हत्या किसी भी संवेदनशील इंसान को विचलित कर सकती है। तोंसिंग को सिर में गोली लगी थी और उसे एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया जा रहा था। एक भीड़ ने एंबुलेंस को रोक कर उसमें आग लगा दी, जिसमें सात साल के तोंसिंग, उसकी मां और एक अन्य रिश्तेदार की मौत हो गई। सोचें, किसी भी सभ्य समाज में ऐसी अमानवीय और वीभत्स घटना की कल्पना की जा सकती है? घरों में आग लगाने की कई और घटनाएं हुईं।हिंसा की शुरुआत हाईकोर्ट के एक आदेश से हुई, जिसमें अदालत ने राज्य के बहुसंख्यक मैती समुदाय को एसटी का दर्जा देने के प्रस्ताव पर विचार करने को कहा। कुकी समुदाय ने इसका विरोध किया और अदालत के फैसले के खिलाफ आदिवासी एकजुटता मोर्चा की एक रैली निकाली। तीन मई को निकाली गई रैली से टकराव शुरू हुआ, जिसमें भयंकर हिंसा का रूप ले लिया। पहले दो दिन की हिंसा में 54 लोग मारे गए। उसके बाद आनन–फानन में सेना तैनात की गई और अर्धसैनिक बलों को नियुक्त किया गया। अब सवाल है कि क्या इतने बड़े पैमाने पर हुई हिंसा स्वंयस्फूर्त थी? अभी तक ऐसा ही माना जा रहा है लेकिन असल में ऐसा नहीं है। राज्य के दोनों मुख्य जातीय समूहों कुकी और मैती के बीच जातीय टकराव का पुराना इतिहास रहा है। दोनों समुदाय एक–दूसरे पर अविश्वास करते हैं। कुकी इस बात से परेशान रहते हैं कि मैती समुदाय को राजनीतिक रूप से ज्यादा महत्व मिलता है क्योंकि उनके चुने हुए प्रतिनिधियों की संख्या ज्यादा होती है। दोनों समुदाय हमेशा लडने के लिए तैयार रहते हैं। हाईकोर्ट के फैसले ने दोनों समुदायों के बीच की फॉल्टलाइन जाहिर हुई और बरसों से दबा आक्रोश बाहर आ गया। पूरे राज्य में हिंसा फैल गई।पूरा राज्य किस तरह से कुकी और मैती में बंटा है, वह कई तरह से दिखा। कुकी समुदाय के विधायक तक राजधानी इंफाल छोड़ कर पहाड़ों में चले गए। उन्होंने केंद्र सरकार के सामने मणिपुर से अलग होने की मांग रखी। एक महीने से ज्यादा समय से चल रही हिंसा के बीच अब राज्य में कोई मणिपुरी नहीं है या भारतीय नहीं है। कोई पुलिसवाला, कोई अधिकारी या कोई कारोबारी नहीं है। सब कुकी हैं या मैती हैं। पुलिस और सुरक्षा बलों में भी यह विभाजन है। सरकारी कर्मचारियों में भी ऐसा विभाजन है। एक हैरान करने वाली बात यह है कि एक महीने की हिंसा में सुरक्षाकर्मियों से तीन हजार हथियार छीन लिए गए। क्या हथियारबंद और प्रशिक्षित सुरक्षाकर्मी से हथियार छीन लेना इतना आसान होता है? अब पूरे राज्य में सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है ताकि हथियार वापस हासिल किए जा सकें। कहीं कहीं से कुछ हथियार बरामद हुए हैं लेकिन ज्यादातर हथियार अब भी उपद्रवियों के पास हैं और यह एक बड़ा कारण है, जिससे हिंसा नहीं थम रही है। पहाड़ों, जंगलों में हथियारबंद उपद्रवी हैं और 50 हजार से ज्यादा लोग राहत शिविरों में हैं!सोचें, मणिपुर में छह साल से ज्यादा समय से श्डबल इंजनश्य की सरकार है, जिसका दावा है कि उसने पूर्वोत्तर को मुख्यधारा से जोड़ा है और हिंसा समाप्त की है। इस दावे की हकीकत मणिपुर में दिख रही है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह चार दिन तक मणिपुर में रहे और बाद में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा को शांति बहाली के उपाय खोजने इंफाल भेजा गया। परंतु प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पूरे घटनाक्रम पर चुप्पी साधी हुई है। उन्होंने इस बारे में कुछ नहीं कहा है। न तो हिंसा में उलझे समुदायों से कोई अपील की है और न अपनी तरफ से अलग अलग समुदायों के बीच का अविश्वास दूर करने और राजनीतिक–सामाजिक समाधान की पहल की है। एक चिंता की बात यह भी है कि सरकार इसे कानून व्यवस्था की समस्या मान कर सुलझाने की पहल कर रही है, जबकि यह एक राजनीतिक व सामाजिक समस्या है, जिसकी जड़ें बहुत गहरी हैं। भले मैती आरक्षण के बहाने इस हिंसा की शुरुआत हुई है क्योंकि जो वर्ग पहले से लाभार्थी है उसे अपनी श्रेणी में दूसरे समुदाय का शामिल होना कबूल नहीं है। लेकिन यह मामला इतना भर नहीं है। यह जमीन का मामला है, पहाड़ और जंगल का मामला है, पहाड़ और घाटी का मामला है, प्राकृतिक संसाधनों से लेकर प्रशासन को नियंत्रित करने का मामला है, कारोबार पर कब्जे का मामला है, राजनीतिक वर्चस्व का मामला है, कुकी व मैती के साथ साथ नगा हितों का भी मामला है, जिसे सिर्फ सुरक्षा बलों के सहारे नहीं ठीक किया जा सकता है। इसके लिए राज्य और केंद्र दोनों सरकारों की ओर से संवेदनशीलता दिखाने की जरूरत है। सरकार को समस्या की गहराई और इसके विस्तार को समझते हुए सभी पक्षों के हितों को ध्यान में रख कर रास्ता निकालने की जरूरत है। पूरे देश में जिस तरह बहुसंख्यकवाद की राजनीति चल रही है उसे अगर मणिपुर में लागू किया जाता है तो इसके भंयकर दुष्परिणाम होंगे। इसकी बजाय राज्य में भरोसे की राजनीतिक व्यवस्था बनाने की जरूरत है। साथ ही यह समझना होगा कि इसका कोई तात्कालिक समाधान नहीं हो सकता है। सबसे पहले सभी पक्षों बीच संवाद स्थापित करने की पहल करनी होगी ताकि कटुता और शत्रुता समाप्त की जा सके। उसके बाद ढांचागत समस्या को दूर करने की सांस्थायिक पहल करनी होगी। तात्कालिक समाधान निकलने की कोई भी पहल मामले को और उलझाएगी। जैसे अगर सरकार मैती समुदाय को एसटी में शामिल करने पर दिए गए हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील करती है तो मैती समुदाय के लोग भड़केंगे और हिंसा तेज हो सकती है। इसलिए यथास्थिति बनाए रखते हुए समाधान निकालने की पहल होनी चाहिए।

हिंदी प्रदेशों में विपक्ष हारेगा!

हरिशंकर व्यास

इस गपशप को मई 24 तक सेव रखें। तब हिसाब लगा सकेंगे कि कर्नाटक की जीत के बाद कांग्रेस और विपक्ष ने अपने हाथों अपने पांवों पर कब–कब कुल्हाड़ी मारी। पहली बात, कर्नाटक ने कांग्रेस और पूरे विपक्ष का दिमाग फिरा दिया है। बुजुर्ग शरद पवार भी बता रहे हैं कि हालात देख लोगों का बदलाव का मूड समझ आ रहा है। उधर राहुल गांधी ने कहा कि मध्य प्रदेश में कांग्रेस 150 सीटें जीतेगी। सबसे बड़ी बात जो विपक्ष की एकता कोशिशों में मल्लिकार्जुन खडगे, राहुल गांधी, अखिलेश यादव हालातों के इलहाम में भाव खाते हुए हैं। एक और गंभीर बात कि पूरे विपक्ष ने कर्नाटक में भाजपा की हार के उलटे अर्थ निकाले हैं। अशोक गहलोत, दिग्विजय सिंह–कमलनाथ–भूपेश बघेल सबका फोकस जनता को रेवडियां देने, वादे करने पर बना है। रेवडियों से कांग्रेस आगे हिमाचल, राजस्थान, कर्नाटक मॉडल पर विधानसभा–लोकसभा चुनाव लडने की रणनीति बनाते हुए है। ऐसे ही अरविंद केजरीवाल भी रेवडियों की मार्केटिंग से नरेंद्र मोदी को पछाडने की गलतफहमी में हैं। जात और रेवड़ी के एक भ्रमजाल में विपक्ष फंसते हुए है। तभी दिसंबर के विधानसभा चुनावों में नरेंद्र मोदी ऐसा धोबी पाट मारेंगे कि विपक्ष लोकसभा चुनाव लडने लायक नहीं रहेगा। सेमीफाइनल में ही कांग्रेस उत्तर भारत में आउट हो चुकी होगी। हिंदीभाषी उत्तर भारत की 227 लोकसभा सीटों में कांग्रेस तीन–चार सीटें नहीं जीत पाएगी तो पूरा विपक्ष इनमें बीस–पच्चीस सीटे जीत जाए तब भी बड़ी बात!तभी इस गपशप की कटिंग काट कर रखें। शरद पवार, राहुल गांधी, नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल व अखिलेश यादव हालातों के इलहाम में सपने बना रहे हैं जबकि रियलिटी यह है कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह उत्तर भारत के मतदाताओं की मानसिकता अनुसार चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी, अमित शाह, जेपी नड्डा आदि की हाल में जो घंटों बैठक हुई है उसमें मेरी जानकारी और मेरा मानना है कि ये रत्ती भर विपक्ष की जात तथा रेवड़ी राजनीति की चिंता करते हुए नहीं हैं। भाजपा का सितंबर से दिसंबर के बीच पूरा फोकस इस नैरेटिव का होगा कि मोदीजी विश्व नेता हैं। हिंदू धर्म रक्षक हैं और दिसंबर के आखिर में हिंदीभाषी लोग जब वोट डालें तो अयोध्या में प्रभु राम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए वोट डालें!सितंबर में जी–20 की शिखर बैठक हो रही है। विश्व नेता दिल्ली आ रहे हैं। अक्टूबर में दशहरा–दीपवाली के साथ रामजी और अयोध्या का जगमग होना शुरू होगा। दिसंबर में संभव है पूर्वांचल–बिहार के लोगों के मुख्य शक्तिपीठ विंध्याचल मंदिर के नवनिर्माण–कॉरिडोर का नरेंद्र मोदी उद्घाटन करें। लोगों को अयोध्या–विंध्याचल की ओर ले जाने, घर–घर मैसेज बनवाने का, काशी–विंध्याचल–अयोध्या की यात्रा का महाअभियान चलाया जाए। मतलब नीतीश कुमार–तेजस्वी–अखिलेश जातिवादी राजनीति करते हुए वही यूपी–बिहार में मई तक घर–घर चलो अयोध्या का नारा गूंजता हुआ।मैं कई बार लिख चुका हूं कि नरेंद्र मोदी कैलेंडर बना कर राजनीति करते हैं। सो, सितंबर 2023 से मई 2024 तक का उनका कैलेंडर वापिस सत्ता पाने के लिए आर–पार की लड़ाई की तैयारियों का है। बहुत संभव है 2019 की तरह पाकिस्तान–चीन की सीमा पर फिर वह कुछ हो, जिससे उत्तर भारत के हिंदू वोट सब भूल कर दिन–रात इस राग में खो जाएं कि नरेंद्र मोदी की जगह है कौन? यदि वे फिर नहीं जीते तब देश बचेगा ही नहीं।कह सकते हैं कि कर्नाटक में जब बजरंग बली का जादू नहीं चला तो हिंदी भाषी प्रदेशों में भी जनता तंग आ गई है! मगर इस तरह सोचना मतदाताओं की मनोदशा और हिंदीभाषी प्रदेशों की तासीर व जमीनी गणित से जुदा बात है। पहली बात कर्नाटक में भी भाजपा का अपना वोट नहीं डिगा है। 36 प्रतिशत वोट मिले ही हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की आंधी इसलिए आई क्योंकि दलित–मुस्लिम–ईसाई तथा कांग्रेस के अपने कोर वोट के अलावा वह मध्यवर्ग जुड़ा जो चार साल से भाजपा सरकार, उसके मंत्रियों, विधायकों के भ्रष्टाचार के हल्ले से खुन्नस में आ गया था। लोगों की बेहाली, महंगाई, बेरोजगारी आदि की तमाम तकलीफें बोम्मई सरकार के 40 प्रतिशत की बदनामी से जुड़ कर पकती गईं। ऊपर से नरेंद्र मोदी और अडानी ग्रुप, गुजराती अमूल के शोर ने लोगों का मूड बनाया। सो, भ्रष्टाचार के खिलाफ फ्लोटिंग वोट, घर बैठने वाले मतदताओं ने मतदान केंद्र जा कर वोट डाला।मेरा मानना था, है और लगातार लिखता रहा हूं कि भारत में सत्ता परिवर्तन का प्रमुखतम निर्णायक कारण भ्रष्टाचार की दुखती नस है। कर्नाटक चुनाव से पहले अडानी ग्रुप, क्रोनी पूंजीवाद के साथ मोदी के जुड़ाव पर राहुल गांधी के फोकस से जहां उनकी मर्द, लड़ाकू और मेहनती नेता की इमेज बनी वही कांग्रेस की हवा। कर्नाटक में मैसेज बना कि मोदी की सरकार तो दो–तीन खरबपतियों के लिए है। हां, यही है जीत का, कांग्रेस, विपक्ष की उम्मीद का असली सूत्र! लेकिन कर्नाटक के बाद राहुल, कांग्रेस और विपक्ष इस बात को भूल बैठा है। इसलिए आश्चर्य नहीं जो अडानी ग्रुप यह कैंपेन चलाते हुए है कि हम तो असंभव को संभव कर दिखाते हैं। एक हिसाब से वही नारा जो मोदी खुद अपने लिए चलवाते हैं कि मोदी है तो मुमकिन है!भ्रष्टाचार के आम परसेप्शन ने कर्नाटक में भाजपा को हराया। कर्नाटक में लोकल भ्रष्टाचार और केंद्र में मोदी–अडानी भ्रष्टाचार के हल्ले से एक और एक ग्यारह हुआ। तभी बजरंग बली की दुहाई के बाद भी भाजपा नहीं जीती।मगर कैसा आश्चर्य जो नतीजों के बाद पूरा विपक्ष मोटा–मोटी इस खामोख्याली में (इसे प्रायोजित चुनावी विश्लेषण में जात, रेवड़ी व शिवकुमार के करिश्मे जैसी चर्चाओं से पकाया गया) है कि जात, तंगी, बदहाली से अपने आप माहौल व हवा बदलते हुए है। जरूरत इतनी भर है कि कांग्रेस और विपक्ष खूब वादे करें, लोगों का दिल–दिमाग नकद पैसा दे कर या उन्हें तमाम फायदे करा कर जीता जा सकता है! हैरानी की बात है जो कांग्रेस व विपक्ष के पुराने अनुभवी नेता भी यह नहीं समझे हुए कि 2014 में भ्रष्टाचार पहला मुद्दा था और उस पर मोदी के हिंदू–गुजरात मॉडल की सवारी थी। यही बात वीपी सिंह के समय हुई थी। भ्रष्टाचार के हल्ले पर उनकी ईमानदार की सवारी थी। यही फिनोमिना अरविंद केजरीवाल के अचानक नेता बनने की है। झाड़ू भ्रष्टाचार की सफाई का सिंबल था। पर केजरीवाल भी अब रेवड़ी मॉडल से फूले हुए हैं। तभी देखिएगा मई 2014 में रेविडयों का मॉडल उनके उम्मीदवारों की दिल्ली में जमानत जब्त करवाता हुआ होगा।विषयांतर हो रहा है और गपशप फैलती हुई है। मोटी बात विपक्ष कर्नाटक नतीजों के बाद पटरी से उतर गया है। नरेंद्र मोदी की परेशानी व बदनामी वाली चुनौती खत्म हो गई है। मतलब लोग भूलते हुए हैं कि मोदी सरकार अमीरों की सरकार है। न वे भ्रष्ट हैं और न अडानी। पहलवान आंदोलन, बेरोजगारी, मंहगाई से लोगों का दिमाग नहीं बदलता है। इस बात को भी नोट रखें कि नरेंद्र मोदी लगातार 100 करोड़ लोगों को लगभग फ्री अनाज या नकद मदद खाते में डलवा रहे हैं। हालात यह है कि गरीब भी फ्री का राशन ले कर 25–40 रुपए प्रति किलो की रेट पर बाजार में बेच कर कमाई करते हुए है। आम वोटों के लिए रेवड़ी योजनाएं छोटी–सामान्य बात है। इससे लोगों में वोट डालने का जोश नहीं बनता है। वैसा तो कतई नहीं जैसा कर्नाटक में कांग्रेस के लिए बना था।

योग से करें शरीर का प्रबंधन : प्रो.आनंद त्यागी

योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाएं : प्रो. निर्मला एस. मौर्य

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में विश्वविद्यालय की ओर से गुरुवार को योग सप्ताह का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने किया। उद्घाटन दिवस पर असाध्य रोगों के रोकथाम में योग की भूमिका विषय पर चर्चा की गई। यह समारोह 21 जून तक चलेगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. त्यागी ने कहा कि हमने प्रकृति का बहुत दोहन किया है जिससे प्रकृति काफी उग्र अवस्था में है। प्रकृति के साथ समन्वय मानवता के स्थायित्व की कुंजी है। उन्होंने कहा कि हमें अपने शरीर का प्रबंधन सीखना होगा। यह प्रबंधन योग के द्वारा ही संभव है। उन्होंने कहा कि कालांतर में आने वाली त्रुटियों को दूर कर शारीरिक और मानसिक रुप से स्वस्थ

होना होगा, अगर शरीर स्वस्थ नहीं होगा तो हमारे कार्य प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि जीवनशैली में गुणवत्ता कम होने कारण मानसिक स्वास्थ्य का ठीक न होना है। भारतीय ऋषियों ने योग परंपरा को हिमालय की कंदरा से निकालकर जनमानस तक पहुंचाया है। कोरोना जैसी महामारी में भारत की पुरातन परंपरा को पूरे विश्व ने सराहा और अपनाया है। इस दौरान योग और आयुर्वेद को अपनाकर लोग स्वस्थ और सुरक्षित रहे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि तन और मन का संतुलन ही योग है। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति में आत्मविश्वास पैदा करता है। अमृत योग सप्ताह उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भागमभाग की दुनिया में स्वास्थ्य विश्व की सबसे बड़ी चुनौती है, इसलिए योग को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं। विशिष्ट अतिथि उमानाथ सिंह स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. शिवकुमार ने कहा कि योग से रोग को कम किया जा सकता है। तनावमुक्त जीवन के लिए योग जरूरी है। इस अवसर पर आर्ट आफ लिविंग बेंगलूरू के योग प्रशिक्षक जयसिंह गहलोत ने प्राणायाम से योग की शुरुआत की। उन्होंने गायत्री मंत्र का उच्चारण कर लोगों को इसके महत्व के बारे में समझाया। इसके पूर्व सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम सुबह पौने छह बजे से शुरू हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक प्रो. अजय द्विवेदी ने स्वागत और संचालन डॉ. राजेश सिंह ने किया। इसके पूर्व मुक्तांगन में पौधरोपण भी मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथियों और कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य द्वारा किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती देवसुता त्यागी, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, कुलसचिव महेंद्र कुमार, प्रो. बीडी शर्मा, डॉ मनोज मिश्र, डॉ मनीष कुमार गुप्ता, एनएसएस समन्वयक डॉ राजबहादुर यादव, सहायक कुलसचिव बबिता सिंह, डा. सुनील कुमार, डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा. श्याम कन्हैया, डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डा. मनोज कुमार पांडेय , डॉ पुनीत कुमार सिंह, डॉ. विनय वर्मा, डा. अवध बिहारी सिंह, डा. चंदन सिंह, दिवाकर शर्मा, डा. मनमोहन भट्ट, डॉ राजेंद्र सिंह, अरुण शर्मा, धीरज श्रीवास्तव, अशोक सिंह, रजनीश सिंह, आदर्श अरूण आदि शामिल थे।

डीएम एसपी ने किया जिला जेल का निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजय पाल के द्वारा जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न बैरको यथा जेल चिकित्सालय, महिला बैरक सहित अन्य बैरकों का गहनता से निरीक्षण किया गया एवं तलाशी ली गई, जिसमें कुछ भी आपत्तिजनक सामान नहीं मिला। साफ–सफाई व्यवस्थित पाई गयी। जिलाधिकारी ने जेल अस्पताल के निरीक्षण के दौरान भर्ती मरीजों से उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली तथा जेल बंदियों से भी उनको दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया और निर्देशित किया कि मरीजों का अच्छे से इलाज किया जाए तथा जेल में साफ–सफाई कराने के निर्देश भी दिए गए।

इस अवसर पर जेल अधीक्षक एस के पांडेय, जेलर कुलदीप सिंह भदौरिया सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मूलभूत साक्षरता एवं अंक ज्ञान पर एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज गांधी भवन सभागार में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के तत्वाव

ान में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में एनईपी 2020, मूलभूत साक्षरता एवं अंक ज्ञान पर एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। यह कार्यशाला 19 से 22 जून के मध्य पुणे में होने वाली जी 20 के चतुर्थ एजुकेशनल वर्किंग की बैठक के क्रम में आयोजित की गयी। कार्यशाला का उदघाटन जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय गोमती नगर लखनऊ अरुण वैश्य एवं प्राचार्य केंद्रीय विद्यालय हरदोई मोहम्मद राशिद ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय हरदोई ने बताया कि कार्यशाला के माध्यम में जनपद व देश मे शिक्षा की गुणवत्ता के सुधार में मदद मिलेगी।

बच्चों के प्राथमिक शिक्षा पूर्ण करने के बाद उनका ज्ञान स्तर मानक के अनुरूप होगा। कार्यशाला बच्चों के शैक्षिक स्तर में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के अंतर्गत बाल वाटिका एवं कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों को लक्षित किया गया है। कार्यशाला में केंद्रीय विद्यालय गोमती नगर से आये प्रशिक्षक अरुण वैश्य द्वारा अनुभवात्मक शिक्षण एवं ज्ञान निर्माण के संबंध में जानकारी दी गयी। डायट हरदोई के प्रशिक्षकों द्वारा निपुण भारत मिशन के महत्वपूर्ण घटक शमूलभूत साक्षरता एवं अंक ज्ञान के बारे में बताया गया। कार्यशाला के अंत मे खुले सत्र का आयोजन किया गया तथा प्रतिभागी शिक्षकों से फीडबैक लिए गए। कार्यशाला का संयोजन केन्द्रीय विद्यालय हरदोई द्वारा किया गया। इस अवसर पर बेसिक शिक्षा अधिकारी विनीता सिंह व बड़ी संख्या में प्रतिभागी शिक्षक उपस्थित रहे।

अमृत योग सप्ताह का मुक्तांगन परिसर में हुआ शुभारंभ

क्राइम रिपोर्टर धनंजय विश्वकर्मा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के मुक्तांगन परिसर में विश्वविद्यालय की ओर से गुरुवार को योग सप्ताह का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने किया। उद्घाटन दिवस पर असाध्य रोगों के रोकथाम में योग की भूमिका विषय पर चर्चा की गई। यह समारोह 21 जून तक चलेगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. त्यागी ने कहा कि हमने प्रकृति का बहुत दोहन किया है जिससे प्रकृति काफी उग्र अवस्था में है। प्रकृति के साथ समन्वय मानवता के स्थायित्व की कुंजी है। उन्होंने कहा कि हमें अपने शरीर का प्रबंधन सीखना होगा। यह प्रबंधन योग के द्वारा ही संभव है। उन्होंने कहा कि कालांतर में आने वाली त्रुटियों को दूर कर शारीरिक और मानसिक रुप से स्वस्थ होना होगा, अगर शरीर स्वस्थ नहीं होगा तो हमारे कार्य प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि जीवनशैली में गुणवत्ता कम होने कारण मानसिक स्वास्थ्य का ठीक न होना है। भारतीय ऋषियों ने योग परंपरा को हिमालय की कंदरा से निकालकर जनमानस तक पहुंचाया है। कोरोना जैसी महामारी में भारत की पुरातन परंपरा को पूरे विश्व ने सराहा और अपनाया है। इस दौरान योग और आयुर्वेद को अपनाकर लोग स्वस्थ और सुरक्षित रहे। समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि तन और मन का संतुलन ही योग है। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति में आत्मविश्वास पैदा करता है। अमृत योग सप्ताह उत्तर प्रदेश शासन के

निर्देश पर मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भागमभाग की दुनिया में स्वास्थ्य विश्व की सबसे बड़ी चुनौती है, इसलिए योग को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बनाएं।

विशिष्ट अतिथि उमानाथ सिंह स्वायत्तशासी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. शिवकुमार ने कहा कि योग से रोग को कम किया जा सकता है। तनावमुक्त जीवन के लिए योग जरूरी है।

इस अवसर पर आर्ट आफ लिविंग बेंगलूरू के योग प्रशिक्षक जयसिंह गहलोत ने प्राणायाम से योग की शुरुआत की। उन्होंने गायत्री मंत्र का उच्चारण कर लोगों को इसके महत्व के बारे में समझाया। इसके पूर्व सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर समारोह का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम सुबह पौने छह बजे से शुरू हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक प्रो. अजय द्विवेदी ने स्वागत और संचालन डॉ. राजेश सिंह ने किया। इसके पूर्व मुक्तांगन में पौधरोपण भी मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथियों और कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य द्वारा किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती देवसुता त्यागी, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, कुलसचिव महेंद्र कुमार, प्रो. बीडी शर्मा, डॉ मनोज मिश्र, डॉ मनीष कुमार गुप्ता, एनएसएस समन्वयक डॉ राजबहादुर यादव, सहायक कुलसचिव बबिता सिंह, डा. सुनील कुमार, डा. दिग्विजय सिंह राठौर, डा. श्याम कन्हैया, डा. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डा. मनोज कुमार पांडेय , डॉ पुनीत कुमार सिंह, डॉ. विनय वर्मा, डा. अवध बिहारी सिंह, डा. चंदन सिंह, दिवाकर शर्मा, डा. मनमोहन भट्ट, डॉ राजेंद्र सिंह, अरुण शर्मा, धीरज श्रीवास्तव, अशोक सिंह, रजनीश सिंह, आदर्श अरूण आदि शामिल थे।

अपोलोमेडिक्स अस्पताल ने वर्ल्ड ब्लड डोनर डे पर स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का किया आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। विश्वस्तरीय अल्ट्रा मॉडर्न चिकित्सा सुविधा प्रदान करने वाले उत्तर प्रदेश व आसपास के क्षेत्रों में अग्रणी हॉस्पिटल अपोलोमेडिक्स अस्पताल लखनऊ ने वर्ल्ड ब्लड डोनर डे के अवसर पर इस स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया।वर्ल्ड ब्लड डोनर डे प्रत्येक वर्ष 14 जून को पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में

रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और लोगों को इस नेक काम में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करना था। अपोलोमेडिक्स में आयोजित रक्तदान शिविर में 70 से अधिक लोगों ने भाग लिया और निःस्वार्थ भाव से रक्तदान किया। इस कार्यक्रम में हॉस्पिटल के डॉक्टर्स और पैरा मेडिकल स्टाफ की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। यह रक्तदान शिविर अपोलोमेडिक्स अस्पताल के सामाजिक दायित्व के प्रति योगदान के रूप में आयोजित किया गया। अपोलोमेडिक्स अस्पताल लखनऊ के एमडी और सीईओ डॉ. मयंक सोमानी ने ब्लड डोनर्स के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा, ष्एक्सीडेंट या कई बार स्वास्थ्य समस्याओं के कारण ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न होती हैं जहां तत्काल रक्त की आवश्यकता होती है। ऐसे में ब्लड बैंक में डोनर्स द्वारा स्वेच्छा से दिया गया ब्लड ही काम आता है। हम उन सभी के हृदय से आभारी हैं, जिन्होंने हमारे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में भाग लिया और इसे सफल बनाया। उनका योगदान वास्तव में सराहनीय है और इससे अन्य लोगों को भी समय–समय पर स्वैच्छिक रक्तदान करने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

तेज रफ्तार डीसीएम ने कार में मारी टक्कर, इंस्पेक्टर की मौत चालक घायल

हरदोई। बेनीगंज इलाके में स्विफ्ट कार में तेज रफ्तार डीसीएम ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें सवार गंगाघाट थाना प्रभारी राघवेन्द्र प्रताप सिंह और कार चालक दोनों गंभीर घायल हो गए। आनन–फानन में दोनों को पहले सीएचसी ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने हालत नाजुक देखते हुए लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ में इलाज के दौरान इंस्पेक्टर राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने दम तोड़ दिया जबकि चालक का इलाज जारी है। हरदोई पुलिस इस भीषण हादसे के पहलुओं की जांच में जुटी है। जानकारी के अनुसार बेनीगंज थाना क्षेत्र के भदाहा पुलिया के पास तेज रफ्तार डीसीएम ने कार में टक्कर मार दी। भीषण हादसे में कार सवार इंस्पेक्टर और चालक गंभीर घायल हो गए। गुरुवार की सुबह 48 वर्षीय उन्नाव जिले के गंगाघाट थाना प्रभारी राघवेन्द्र प्रताप सिंह स्विफ्ट कार से सीतापुर नैमिष जा रहे थे। शुक्लागंज उन्नाव निवासी 30 वर्षीय नीलकमल कार चला रहा था। बेनीगंज कोतवाली के प्रतापनगर चौराहे से कुछ दूरी पर तेज रफ्तार डीसीएम ने इंस्पेक्टर की कार में इतनी जोरदार टक्कर मारी कि उसके परखच्चे उड़ गए। उसके तुरंत बाद ड्राइवर डीसीएम ले कर भाग गया। जब प्रतापनगर चौकी प्रभारी सुरेंद्र मिश्रा को पता चला तो वो वहां पहुंचे।

कुछ ही देर बाद एसएचओ बेनीगंज सुनील दत्त कौल भी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। गंभीर घायल इंस्पेक्टर राघवेन्द्र प्रताप सिंह और ड्राइवर नीलकमल को एम्बुलेंस–108 से कोथावां सीएचसी ले जाया गया। वहां के डाक्टरों ने हालत बिगड़ती देख उन दोनों को लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। जहां कुछ देर चले इलाज के दौरान इंस्पेक्टर राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने दम तोड़ दिया। इंस्पेक्टर के मौत की खबर सुनते ही पुलिस महकमें में शोक की लहर दौड़ गई। भीषण हादसे में हुई मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। हादसे की जांच कर रही हरदोई पुलिस डीसीएम चालक की तलाश कर रही है।

भैंस बांधने को लेकर चले लाठी-डंडे, छह जख्मी

लखनऊ। थाना क्षेत्र में भैंस बांधने को लेकर विवाद हो गया। जमकर लाठी–डंडे चले। मारपीट में दो छह लोग जख्मी हो गए। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई।भोगीपुर निवासी अटल रोज की तरह बरगद के पेड़ में भैंस बांधने गया था। तभी संदीप उर्फ गुंडा उसे भैंस बांधने से रोकने लगा। कहासुनी होने लगी। तभी संदीप ने अटल को पकड़ लिया। संदीप, उसके भाई सूरज, बहन गोलू व फूलचंद अटल की पिटाई करने लगे।बेटे को पिटते देख पिता परमेश्वर बीच–बचाव करने आ गया।

नवम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल का हुआ शुभारंभ

डीएम और सीडीओ द्वारा योग दीप को प्रज्ज्वलित कर किया शुभारंभ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर नवम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल का औपचारिक शुभारंभ जिलाधिकारी अनुज कुमार झा और मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम द्वारा पर्यावरणीय लोहिया पार्क में दीप प्रज्ज्वलित करके शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी द्वारा हर घर तक योग को पहुंचाने के लिए सभी संभव प्रयास करने के लिए प्रेरित किया गया और बताया गया की नियमित और निरन्तर योगाभ्यास को दैनिक दिनचर्या का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाकर व्यक्ति अपने मनोदैहिक स्वास्थ्य को सर्वोत्तम बना सकता है। मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि योग हमारी प्राचीनतम अध्यात्मिक विकास की उच्चतम कोटि की साधना पद्धति है जिसे पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तानांतरण की जिम्मेदारी हम सभी की है इसलिए हर घर तक योग को पहुंचाकर रोग मुक्ति का महाअभियान चलाया जा सकता है। पतंजलि योग समिति के सह राज्य प्रभारी अचल हरीमूर्ति के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल का अभ्यास कराते हुए उनसे होने वाले मनोदैहिक स्वास्थ्य के बारे में बताया गया। ताड़ासन, वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचक्रासन और त्रिकोणासनों को जहां खड़े होकर किया गया वहीं बैठकर और लेटकर भद्रासन, शशकासन, भुजंगासन और शव आसनों के साथ कपालभाति, अनुलोम–विलोम, भ्रामरी और शीतली प्राणायामों के साथ ध्यान का अभ्यास कराया गया और अन्त में योग संकल्प के साथ शांति पाठ करके योग सत्र का समापन हुआ।

इस मौके पर जिला उद्यान अधिकारी ममता सिंह यादव, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं युनानी अधिकारी डा0 कमल सहित अन्य अधिकारीगण एवं नागरीकगण ने भी योग किया।

बड़ी बहन को लाने जा रहा था सरपतहां के घुघुरी गांव

क्राइम रिपोर्टर धनंजय विश्वकर्मा जौनपुर

खुटहन शाहगंज मार्ग पर गोबरहा गांव के पास गुरुवार की सुबह ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर भाग गया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बड़सरा गांव का 28 वर्षीय रोहित गौतम पुत्र राम तवक्कल अपनी बड़ी बहन की विदाई कराने बाइक से सरपतहां थाना क्षेत्र के घुघुरी सुल्तानपुर गांव जा रहा था। उक्त स्थान पर पीछे से आ रहे ट्रक ने धक्का मार दिया। बाइक सहित असंतुलित होकर रोहित गौतम सड़क पर दाहिनी तरफ गिर पड़ा। ट्रक का पहिया उसका सिर कुलचते हुए निकल गया। मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। राम तवक्कल के इकलौते पुत्र रोहित की मौत से परिवार पर वज्रपात सा हो गया। एक वर्षीय पुत्री को गोंद में लिए उसकी पत्नी ऊषा देवी रोते–रोते बेहोश हो जा रही है। वहीं माता फूलादेई, पिता व अन्य स्वजन की भी आंखों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मृत रोहित मुंबई में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था। वह घर का एकमात्र कमासुत था।

एसकेडी न्यू स्टेण्डर्ड कोचिंग के छात्रों का नीट–2023 में उत्कृष्ट प्रदर्शन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। वर्ष 2023 की प्रतिष्ठित नीट मेडिकल प्रवेश परीक्षा में एस.के.डी. न्यू स्टैन्डर्ड कोचिंग इन्स्टीट्यूट के छात्रों का उत्कृष्ट प्रदर्शन रहा और संस्थान ने इस परिक्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ परिणाम प्राप्त किया। एस.के.डी. न्यू स्टैण्डर्ड कोचिंग इंस्टीट्यूट से मेडिकल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे प्रतियोगियों में श्याम अग्रवालAIR995 कैटेगरी रैंक . 647, अबु शमा खान AIR2564 कैटेगरी रैंक . 222, यागिनी गुप्ता AIR 4875, कैटेगरी रैंक . 1655, सक्षम गुप्ता AIR6488, कैटेगरी रैंक . 635, विनीत पांडे AIR 6765, कैटेगरी रैंक . 673, कार्तिकेय अग्निहोत्री AIR 8800, कैटेगरी रैंक . 4313, दीपक राय AIR9229, कैटेगरी रैंक . 3499, अरवी अंसरी AIR10003 कैटेगरी रैंक . 3851 शिवम पाठक AIR10169, कैटेगरी रैंक . 1130, वामिका गुप्ता AIR 10479, कैटेगरी रैंक . 4973, आदि, इस संस्था से कुल 162 विद्यार्थियों का नीट 2023 में चयन हुआ।

संस्था के संस्थापक प्रबन्धक

एस0के0डी0 सिंह एवं निदेशक मनीष सिंह ने चयनित प्रतियोगियों को बधाई देते हुए उनके सफल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी। चयनित हुए सफल छात्र–छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय ईश्वर, माता–पिता व एस0के0डी0 सिंह के अनुभवी दिशा–निर्देशों एवं सभी अध्यापकों व उनके द्वारा पढ़ाई जाने वाली शैली को दिया। विद्यार्थियों ने उचित समय–प्रबन्धन, संस्था से प्राप्त होने वाली पाठ्य सामग्री व समय–समय पर दी जाने वाली काउन्सिलिंग को अपनी सफलता का मूलमंत्र बताया।

सभी सफल प्रतियोगियों हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन जुलाई 2023 में किया जायेगा।

आषाढ़ माह संक्राति पर्व मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बृहस्पतिवार को असाढ़ माह संक्राति पर्व श्री गुरू सिंह सभा, ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरु नानक देव जी नाका हिंडोला

लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार के मनाया गया इस अवसर पर शाम का विशेष दीवान श्री रहिरास साहिब के पाठ से आरंभ हुआ उसके उपरांत हजूरी रागी भाई राजेंद्र सिंह जी ने अपनी मधुर वाणी में शब्द कीर्तन एवं नाम सिमरन द्वारा समूह संगत को निहाल किया। मुख्य ग्रन्थी ज्ञानी सुखदेव सिंह जी ने आषाढ़ माह पर व्याख्या करते हुए बताया कि आषाढ़ का महीना तपश से भरा हुआ होता है इस माह में श्री गुरु अरजन देव जी उपदेश द्वारा क्रोध की अग्नि नाम जपने व ध्यान करने से शान्त हो सकती है। प्रभु भक्ति एवं वाहिगुरु के नाम की ठंडक की वजह से ही श्री गुरु अरजन देव जी गरम तवी पर बैठकर भी मुस्कराते रहे और कहा कि हमारा हृदय नाम जपने से शान्त और ठंडक भरा है। हमें इसकी गरमी महसूस नहीं होती। विशेष रुप से पधारे रागी जत्था भाई गगनदीप सिंह जी ने अपनी मधुरवाणी में आषाढ़ तपंदा तिसु लगै हरि नाहु न जिना पास।। एवं ष्ऐसे गुरु कउ बलि बलि जाईयै आप मुकतु मोहि तारेष् शब्द कीर्तन गायन कर उपस्थित संगत को मंत्रमुग्ध कर दिया या। कार्यक्रम का संचालन सतपाल सिंह मीत ने किया। श्री गुरु सिंह सभा ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव जी एवं लखनऊ गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने संगत को आषाढ़ माह संक्राति पर्व की बधाई दी। समाप्ति के उपरांत महामंत्री हरमिन्दर सिंह टीटू एवं कुलदीप सिंह सलूजा की देखरेख में दशमेश सेवा सोसायटी के सदस्यों द्वारा गुरु का लंगर वितरित किया गया।

जिलाधिकारी श्री अनुज कुमार झा, पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा के द्वारा जनपद में संचालित हो रहे बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा–2023 का औचक निरीक्षण जनक कुमारी इंटर कालेज एवं टीडी इंटर कालेज में किया गया तथा कक्ष निरीक्षकों को परीक्षा के शुचिता पूर्ण संपन्न कराने को लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय पाया गया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हो रही थी और कहीं भी किसी भी प्रकार की अनियमितता देखने को नहीं मिली। उन्होंने कक्ष

निरीक्षकों को निर्देशित किया कि बढ़ते गर्मी में सभी प्रतियोगी छात्र–छात्राओं के लिए जल की पर्याप्त व्यवस्था अवश्य की जाय और छात्र–छात्राओं को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पडे। जिलाधिकारी महोदय ने परीक्षा केंद्रों के व्यवस्थापकों को निर्देशित करते हुए कहा कि सुनिश्चित करें कि परीक्षा शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी, नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित हो, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

ट्रक के धक्के से गिरा बाइक सवार युवक मौत

जौनपुर। खुटहन थाना अंतर्गत शाहगंज मार्ग पर गोबरहा गांव के पास गुरुवार की सुबह ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर भाग गया। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बड़सरा गांव का 28 वर्षीय रोहित गौतम पुत्र राम तवक्कल अपनी बड़ी बहन की विदाई कराने बाइक से सरपतहां थाना क्षेत्र के घुघुरी सुल्तानपुर गांव जा रहा था। उक्त स्थान पर पीछे से आ रहे ट्रक ने धक्का मार दिया। बाइक सहित असंतुलित होकर रोहित गौतम सड़क पर दाहिनी तरफ गिर पड़ा। ट्रक का पहिया उसका सिर कुलचते हुए निकल गया। मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। राम तवक्कल के इकलौते पुत्र रोहित की मौत से परिवार पर वज्रपात सा हो गया। एक वर्षीय पुत्री को गोंद में लिए उसकी पत्नी ऊषा देवी रोते–रोते बेहोश हो जा रही है। वहीं माता फूलादेई, पिता व अन्य स्वजन की भी आंखों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। मृत रोहित मुंबई में रहकर प्राइवेट नौकरी करता था।

बच्चा तथा मेडिकल वार्ड में लू व डायरिया पीड़ित रोगियों में हो रहा इजाफा

यही हाल रहा तो हमेशा की तरह फर्श पर मरीजों को नहीं मिलेगी जगह

मरीजों के लिए पर्याप्त संख्या में है बेड - सीएमएस

अयोध्या।तेज धूप व गर्म हवा के चलते इस समय डायरिया व लू से पीड़ित मरीजों में इजाफा हो रहा

है।इस समय जिला चिकित्सालय के बच्चा वार्ड व मेडिकल वार्ड में लगातार भर्ती मरीजों बढ़ोतरी से यही अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिले में लू व डायरिया जैसी गंभीर बीमारी अपना पांव पूरी तरह से पसार चुकी है।जिला चिकित्सालय के रिकार्ड के मुताबिक पिछले दो दिनों में लगभग दो दर्जन से अधिक से लू व डायरिया से पीड़ित बच्चों व बुजुर्ग के साथ साथ अन्य मरीज बच्चा वार्ड व मेडिकल वार्ड में भर्ती हैं। अगर देखा जाए तो इस समय इस प्रचंड गर्मी व तेज गर्म हवा के चलते लू व डायरिया जैसी गंभीर गंभीर बीमारी पूरी तरह से फैल चुकी है।इससे पीड़ित रोगी जिला चिकित्सालय,निजी चिकित्सालय के साथ–साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रोगी झोलाछाप चिकित्सकों की ओर इलाज कराने की ओर जा रहे है। जिला चिकित्सालय में डायरिया व लू से पीड़ित रोगी अपना इलाज कराने वाले कुछ तो मरीज चिकित्सकों की सलाह पर बाहर से दवा लेकर चले जाते हैं।वही जिन रोगियों की दशा गंभीर रहती है तो उन्हें भर्ती कराया गया है।अगर देखा जाए तो इस समय की तरह लू व डायरिया जैसी गंभीर गंभीर बढ़ती गई तो हमेशा की तरह जिला चिकित्सालय में इससे संबंधित रोगियों को भर्ती करने के लिये रोगियों को बेड नही मिलेगी।मालूम हो कि हर साल हमेशा गर्मी के समय में जब लू व डायरिया जैसी गंभीर बीमारी चरम पर रहती है तो मरीजों में इतना इजाफा होता है कि जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को बेड छोड़िये यहां तक कि उनको लेटने के लिए फर्श तक नसीब नहीं होती।यही दशा इस समय धीरे धीरे दिखाई दे रही है।बच्चा वार्ड में लगभग अधिकतर वार्ड भर गये है।यही दशा मेडिकल वार्ड की बनी हुई है।इस संबंध में प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ सी बी एन त्रिपाठी ने बताया कि लू व डायरिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित सभी रोगियों का इलाज हो रहा है।भविष्य में अगर इस बीमारी से पीड़ित रोगी में इजाफा होता है तो उसके लिए जिला चिकित्सालय में हमारे पास अतिरिक्त वार्ड है।जिसे जरूरत पड़ने पर इससे पीड़ित रोगियों को भर्ती कर उपयोग में लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि लू से बचने का एक ही उपाय है कि धूप में न निकले।निकलने वाले लोग फुल आस्तीन का शर्ट पहने। खुले खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें।

अयोध्या दीपोत्सव के बाद शुरु होगी रामलला के गर्भगृह में स्थापना की तैयारी,जलेंगे 21 लाख दीपक : सीएम योगी

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) राजा राम की नगरी अयोध्या में पूर्व नियोजित

कार्यक्रम के मुताबिक दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज भरत की तपोभूमि भरतकुंड में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अब जल्द ही रामलला अपने मंदिर में विराजेंगे। अयोध्या दीपोत्सव के बाद दिव्य राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की स्थापना के लिए तैयारियां शुरु कर दी जाएंगी। जनवरी 2024 में पीएम मोदी मंदिर का शुभारंभ करेंगे। मंदिर निर्माण का कार्य बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है।इस बार दीपोत्सव अयोध्या में 21 लाख दीपक जलाए जाएंगे।राम की दिव्य नगरी अयोध्या का वैभव पूरी दुनिया देखेगी।गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भरतकुंड में थे। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष रामलला 500 वर्षों के बाद अपने भव्य भवन में विराजमान होंगे। अयोध्या के महत्व जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जिन्हें अयोध्या में जन्म नहीं मिला वह कामना करते हैं कि अयोध्या में जन्म मिले। कहा, पहले जो लोग अयोध्या का नाम लेने और आने से कतराते थे अब वह भी अयोध्या आकर मुग्ध हैं।बीती रात करीब 12 बजे तक अयोध्या की निर्माणाधीन परियोजनाओं का भ्रमण करने के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामनगरी के विकास के प्रति आश्वस्त दिखे।उन्होंने अयोध्या के बदलते परिदृश्य का भी उल्लेख किया।कहा, अयोध्या के पुनर्निर्माण से लोगों को थोड़ी परेशानी हो सकती है लेकिन अगले पांच–छह महीने में अयोध्या दुनिया की सुंदर नगरियों में शुमार होगी।मुख्यमंत्री ने भगवान राम के अनुज महात्मा भरत की तपस्थली के विकास की भी घोषणा की। इस मौके पर प्रदेश सरकार में मंत्री सूर्य प्रकाश शाही, अयोध्या जिले के सांसद लल्लू सिंह,जिला पंचायत अध्यक्ष,जिले के सभी भाजपा विधायक,मेयर गिरीश पति त्रिपाठी,के भाजपा के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राम नगरी को विश्व स्तरीय नगर बनाने के लिए तय सीमा के अंदर किया जाय पूरा : योगी आदित्यनाथ

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव) राम नगरी के भरत जी तपोस्थली भरतकुंड में पहली बार कोई सीएम के रुप में गये तो वह सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ है। उन्होंने गुरुवार को वहां पर जनसभा संबोधित करने से एक दिन पहले बुधवार को जिले में हो रहे राम मंदिर निर्माण कार्य के

साथ साथ विभिन्न परियोजनाओं के बारे प्रगति की समीक्षा बैठक किया।उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पुलिस लाइन हेलीपैड पर उतरकर सीधे आयुक्त सभागार में अयोध्या विजन 2047 के विकास कार्यो की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा प्राथमिकता तय करके निर्माण सम्बंधी कार्यो को बरसात के पूर्व पूरा करने के निर्देश दिये तथा कहा कि कार्यो के गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न हों सभी कार्यो को 30 जून से 31 जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिये।बैठक में परियोजनाओं की प्रस्तुतीकरण अपर मुख्य सचिव आवास एवं नियोजन नितिन रमेश गोकर्ण द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि जनपद अयोध्या में कुल क्रियात्मक परियोजनाओं की संख्या 263 है, जिसकी कुल लागत 30923 करोड़ रूपये है जिसके लिए 37 कार्यकारी विभाग लगे हुये है।समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष 65 क्रियात्मक परियोजनाओं जिसकी कुल लागत 22667 करोड़ है, जिसमें 31 कार्यकारी विभाग लगे है, का जिला प्रशासन द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उत्तर प्रदेश शासन के विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, मुख्य सचिव के समक्ष प्रस्तुत की गयी। मुख्यमंत्री के सर्वोच्च प्राथमिक कार्यक्रम में रामपथ जो सहादतगंज से नयाघाट तक निर्माणाधीन है, की कुल स्वीकृति लागत 797.69 करोड़ रूपये है। उक्त परियोजनाओं का 30 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है तथा कार्य को पूर्ण करने की अंतिम तिथि 31 दिसम्बर 2023 निर्धारित की गयी है, ।जिसमें यूटिलिटी डक्ट, सीवर लाइन, स्टॉर्म वाटर ड्रेन एवं वाटर पाइप लाइन का कार्य प्रगति पर है।

श्री राम जन्मभूमि पथ जिसकी कुल लम्बाई 0.566 किमी0 है जो सुग्रीव किला से श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक जायेगी। मार्ग पर दो लेन बिटुमिन्स एवं 15 मीटर चौड़ाई में पैदल पथ का निर्माण होना है तथा मार्ग पर विद्युत तारों को भूमिगत करने हेतु यूटिलिटी डक्ट, स्टार्म वाटर ड्रेन, फुटपाथ, स्टोन बेंच का निर्माण कराया जायेगा, जिसकी कुल लागत '39.43 करोड़ रूपये है जिसका 91 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

इसी प्रकार भक्ति पथ जिसकी कुल लम्बाई 0.742 किमी0 है, जो अयोध्या में अयोध्या कैंट से अयोध्या मुख्य मार्ग (रामपथ) से हनुमानगढ़ी होते हुये श्रीराम जन्मभूमि मंदिर तक मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य जिसमें मार्ग के विद्युत तारों को भूमिगत करने हेतु यूटिलिटी डक्ट, फुटपाथ, स्टोन बेंच, सुन्दर स्ट्रीट लाईट जिसकी स्वीकृत लागत 62.78 करोड़ रूपये है और जिसका 44 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है को 31 जुलाई तक पूर्ण करने के निर्देश दिये गये है।प्रस्तुतीकरण के बाद मुख्यमंत्री द्वारा विभागवार समीक्षा की गयी, जिसमें मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राथमिकता तय करते हुये सभी कार्यो को गुणावत्ता के साथ पूरा किया जाय। जिसमें अपर मुख्य सचिव ऊर्जा, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग, प्रमुख सचिव पर्यटन आदि द्वारा विभिन्न बिन्दुओं की जानकारी दी गयी।विभागवार समीक्षा में सम्बंधित विभाग के अधिकारी अपने अपने विभाग से सम्बंधित कार्यो को अद्यतन प्रगति से अवगत कराया।जिसमें समय समय पर मण्डलायुक्त गौरव दयाल द्वारा भी बिन्दुओं के मौके पर प्रगति की जानकारी दी गयी। मुख्यमंत्री द्वारा आयुक्त सभागार में अयोध्या विजन के अंतर्गत कराए जा रहे विकास कार्यों की गहन समीक्षा की गई।अयोध्या विजन के तहत चल रही परियोजनाओं का कार्य यथाशीघ्र पूरा किया जाय।

परियोजनाओं में लोक निर्माण विभाग, 'रेलवे, ऊर्जा, परिवहन, चिकित्सा,शिक्षा, नगर विकास पर्यटन, सिंचाई, सेतु निगम आदि विभागों की प्रमुख योजनाएं हैं।मुख्यमंत्री ने अयोध्या को विश्वस्तरीय पर्यटन नगरी बनाए जाने तथा इसके धार्मिक एवं सांस्कृतिक के अनुरूप कार्य करें जिन कार्यों को पूरा होना है।मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही बदलेगा अयोध्या का स्वरूप अयोध्या धाम अपने नाम के अनुकूल भव्यता एवं आकर्षण को बढ़ाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करें। अयोध्या धाम विश्वस्तरीय नगरी में होगा शुमार।

अयोध्या सनातन धर्म का होगा केंद्र बिंदु, अयोध्या में पर्यटन संस्कृति एवं धार्मिक रूप से सुनियोजित विकास का कार्य तेजगति से चल रहा है, चल रहे विकास कार्यों को और तेजी से चलाकर पूरा करने का निर्देश दिए।सभी चल रही कार्ययोजना के शासन के उच्चाधिकारियों को देने के साथ कहा कि शासन में बैठे अधिकारी समय–समय पर भौतिक स्थलीय अयोध्या आकर करे।उक्त बातें आयुक्त सभागार में आयोजित अयोध्या विजन 2047 की समीक्षा के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कही समीक्षा बैठक में प्रेजेंटेशन के दौरान ड्रीम प्रोजेक्ट 'रामपथ परियोजना जो सहादतगंज से नया घाट तक की 12.94 किलोमीटर लंबाई है उस पर अधिग्रहण एवं ध्वस्तीकरण का कार्य पूर्ण तथा यूटिलिटी डक्ट व सीवर बनाने का कार्य चल रहा है।

इसी प्रकार 'भक्ति पथ .74 किलोमीटर जो श्रीराम जन्मभूमि पथ से हनुमानगढ़ी होते हुए रामपथ तक के मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिये गये।दर्शन नगर भरतकुंड मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य जिसकी लंबाई 16.50 किलोमीटर और 2 लाइन मार्ग चौड़ीकरण का शत–प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। अयोध्या में ही एनएच 27 बाईपास से निकलकर मोहबरा बाजार होते हुए टेढ़ी बाजार श्री राम जन्मभूमि तक फोरलेन का 30 प्रतिशत तक कार्य पूर्ण कर लिया गया है। अयोध्या सुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग एनएच 330 से पुरुषोत्तम भगवान श्री राम अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट तक फोरलेन का निर्माण कार्य 95 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।अयोध्या सहित अन्य सभी मार्गों के अयोध्या अकबरपुर–बसखारी मार्ग पर प्रस्तावित मया बाजार फोरलेन बाईपास, सोहावल से नवाबगंज होते हुए विक्रमजोत तक बाईपासरिंगरोड, '84 कोसी परिक्रमा मार्ग का सुधार एवं विकास, एनएच 227 बी, पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का विकास, स्मार्ट रोड धर्म पथ, परिक्रमा मार्ग का विकास, जनपद अयोध्या गुप्तार घाट तक तटबंध के निर्माण हरिश्चंद्र उदय रेस्टोरेशन 98 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण में रनवे का '84 प्रतिशत' से अधिक तथा भवन निर्माण के कार्य को तेजी से करने के निर्देश दिये गये।अयोध्या रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म क्षेत्र का विकास, एस्थलेटर एवं लिफ्ट आदि का कार्य शत–प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।अयोध्या में छः 27 बाईपास से निकलकर मोहबरा बाजार होते हुए रेल समपार संख्या 111इ तवइ का निर्माण कर 72 प्रतिशत से अधिक हो चुका है।अयोध्या में रामघाट पंचकोसी परिक्रमा मार्ग पर बड़ी बुआ रेलवे क्रॉसिंग संख्या 112 पर 2 लेन रेल ऊपरीगामी सेतु का निर्माण 65 प्रतिशत से अधिक पूर्ण कर लिया गया है।इसके अलावा वाराणसी लखनऊ रेल सेक्शन दर्शन नगर के पास फोरलेन रेल ऊपरीगामी क्षेत्र14 कोसी परिक्रमा मार्ग पर सूर्य कुंड स्थित रेलवे समपार संख्या 105 पर 2 लेन उपरिगामी सेतु का कार्य,फतेहगंज समपार संख्या 118 ए पर 2 लेन ऊपरीगामी सेतु, टेढ़ी बाजार चौराहा पूर्वी वाहन पार्किंग एवं दुकानों, निर्माण कार्य,कौसलेस कुंज में वाहन पार्किंग एवं दुकानों का निर्माण कार्य, कुंडों, घाटों सहित अन्य परियोजनाओं के निर्माण कार्य की समीक्षा की गई।इस बैठक में सांसद लल्लू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रोली सिंह, विधायकगण रामचन्द्र यादव, वेदप्रकाश गुप्ता, डा0 अमित सिंह चौहान, गोशईगंज विधायक अभय सिंह, अवधेश प्रसाद, एमएलसी हरिओम पांडेय सहित महापौर गिरीश पति त्रिपाठी आदि उपस्थित थे।

अयोध्या मौसम : तूफान बिपर्जय ने बढ़ाई हवा की रफ्तार,धूल के कारण राह चलना हुआ मुश्किल

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अरब सागर में उठे तूफान बिपर्जय का प्रभाव यहां भी दिख रहा है। इस कारण उत्तरी पश्चिमी दिशा से हवा की गति 13 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई है। हाल यह है कि दिन में राह चलना मुश्किल हो गया है। धूल भरी हवा से दो पहिया वाहन चालकों को खासी समस्याओं का सामना करना पड़ा।

तापमान भी उच्च स्तर पर बना हुआ है।विज्ञानियों का अनुमान है कि 17 जून से गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है, जबकि 16 जून को भी हल्की बदली छाएगी। इससे पहले मंगलवार को दिन का तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। बुधवार को तापमान में तो एक डिग्री की कमी आई, लेकिन हवा की गति लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई।दिन में लोगों ने बच्चों को घरों में रखा और आवश्यक होने पर ही लोग घर से बाहर निकले। जो लोग निकले भी वह धूल और धूप से बचाव के लिए चेहरे पर गमछा बांधे दिखे। वही इस संबंध मे नरेंद्रदेव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डा. सीताराम मिश्र ने बताया कि चक्रवाती तूफान बिपर्जय ने अत्यंत खतरनाक रूप धारण कर लिया है। इसी कारण यहां भी हवा की गति काफी तेज है। गुरुवार को भी हवा की गति तेज रहेगी। उन्होंने बताया कि शनिवार व रविवार को तापमान में कमी आएगी और हल्की वर्षा भी होने की संभावना है। बुधवार को अधिकतम तापमान 42.5 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से चार डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान भी सामान्य से ढाई कम 29 डिग्री सेल्सियस रहा। अधिकतम आर्द्रता 77 व न्यूनतम 35 प्रतिशत रही।

विरोध के बीच तारा मार्केट, आराधना कांप्लेक्स समेत छह भवन सील

संवाददाता

लखनऊ। आरडीए के अवर अभियंता की मिली भगत से किए गए छह अवैध कांप्लेक्सों व भवनों को विरोध के बींच सील कर दिया गया। कचेहरी रोड पर ताला मार्केट और आराधना कांप्लेक्स के बेसमेंट को भी सील किया गया है। सभी छह भवनों को सील करने के बाद शहर कोतवाली व भदोखर पुलिस की अभिरक्षा में दे दिया गया।रायबरेली विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता एम. अहमद ने बताया कि पूर्व में संबंधित निर्माणों का चालान किया गया था। डीएम व उपाध्यक्ष माला श्रीवास्तव ने शहर में कांप्लेक्सों के बेसमेंट के व्यवसायिक उपयोग को रोकने के निर्देश दिए हैं। नोटिस के बाद भी भवनों के बेसमेंट का व्यवसायिक उपयोग किया जा रहा है। बुधवार को आरडीए की टीम ने कचेहरी रोड स्थित गोविंद सिंह, आईसीआईसीआई बील्डिंग और मुंशीगंज में कमलावती के भवन को सील कर दिया।

जगतपुर में नहरों में उड़ रही धूल, सूख रही धान की बेड़न

संवाददाता

लखनऊ । जगतपुर क्षेत्र की सभी नहरों, माइनरों में धूल उड़ रही है। कई महीने से नहरों में पानी न आने के कारण धान की नर्सरी सूखने लगी हैं। बारिश भी नहीं हो रही है। किसान किसान तरह ट्यूबवेल के सहारे नर्सरी को बचाने का प्रयास कर रहे हैं। नहरों के साथ ही तालाब भी सूखने शुरू हो गए हैं। किसान धान की रोपाई को लेकर चिन्तित हो रहे हैं। बारिश व नहर में पानी न आने से बड़ी समस्या सामने हैं।शारदा पोषक नहर से निकली जगतपुर रजबहा से राही ब्लॉक क्षेत्र तक के किसानों के खेतों तक पानी पहुंचता है। इस नहर में पिछले दो महीने से पानी नहीं छोड़ा गया है। पटरी की सिल्ट को गंगा एक्सप्रेसवे में भेजने के कारण नहर में पानी नहीं छोड़ा गया। रजबहे से जुड़े किसानों के सामने धान की नर्सरी बचाने का संकट है। शंकरपुर माइनर में भी धूल उड़ रही है। किसान नहर में पानी आने का इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा जोगमगदीपुर, भीख माइनर सहित अन्य नहरों व अल्पिकाओं में पानी नहीं आने से धूल उड़ रही है। जून माह में बारिश भी नहीं हो रही है। ऊपर से नहरें सूखी हैं। ऐसे में धान की रोपाई को लेकर किसान चिन्तित हो रहे हैं।डलमऊ पंप कैनाल से निकली गंग नहर भी किसानों के काम नहीं आ रही है। इस नहर में पानी तो पहले से ही छोड़ा गया है, लेकिन पानी कम होने के कारण किसानों के खेत ट्यूबवेल के भरोसे हैं। गंग नहर से जुड़े किसानों के सामने भी खेतों में पानी की व्यवस्था करके धान की रोपाई की समस्या है।जगतपुर क्षेत्र के किसान भगवान के भरोसे धान की नर्सरी तैयार कर रहे हैं।

ऑनलाइन हाजिरी में 46 पंचायत सहायक गैरहाजिर

संवाददाता

लखनऊ । ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों सहित अन्य योजनाओं के सफल संचालन के लिए चयनित पंचायत सहायक ऑनलाइन हाजिरी नहीं भर रहे हैं। जिले में 46 ऐसे पंचायत सहायक मिले हैं, जो पिछले दो माह से ऑनलाइन हाजिरी में गैरहाजिर हैं। रिपोर्ट आने के बाद डीपीआरओ ने संबंधित सहायक विकास अधिकारियों के माध्यम से पंचायत सहायकों को नोटिस भेजकर दो दिन में जवाब मांगा है।जिले की 980 ग्राम पंचायतों में पंचायत सहायक नियुक्त किए गए हैं। पंचायत सचिवों की कमी के कारण पंचायत सहायकों पर काम का बोझ है। पंचायत सहायकों की हाजिरी के लिए शासन ने मोबाइल एप लांच किया है। इसी एप पर इन्हें रोजाना हाजिरी दर्ज करानी है। एप पर हाजिरी न होने के कारण मानदेय भी नहीं मिलेगा। पिछले अप्रैल और मई माह में ऊंचाहार, शिवगढ़, सतांव, सरेनी, रोहनियां, राही, महराजगंज, लालगंज, खीरों, दीनशाह गौरा, डलमऊ, बछरावां व अमावां ब्लॉक के 46 पंचायत सहायकों ने एक भी ऑनलाइन हाजिरी नहीं भरी है। बुधवार को रिपोर्ट आने के बाद डीपीआरओ ने सहायक विकास अधिकारियों के माध्यम से पंचायत सहायकों से ऑनलाइन हाजिरी न भरने के संबंध में जवाब मांगा है। डीपीआरओ गिरीशचंद्र ने बताया कि संबंधित पंचायत सहायकों को दो दिन में जवाब देने के आदेश दिए गए हैं। जवाब न देने पर संबंधितों को मानदेय काटने के साथ ही उन्हें हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। इसके लिए पंचायत सहायक स्वयं जिम्मेदार होंगे।

संदिग्ध परिस्थितियों में लापता बुजुर्ग का मिला शव

लखनऊ। कोतवाली क्षेत्र के पूरे तुला मिश्र मजरे टिकरी गांव स्थित तालाब के झुरमुट में बुधवार को तीन दिन पूर्व गायब बुजुर्ग संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला है। पुलिस शव का पंचनामा कर विधिक कार्रवाई में जुटी है।कोतवाली क्षेत्र के गांव पूरे तुला मिश्र मजरे टिकरी निवासी रामसुख पाठक (81) तीन दिन पूर्व सोमवार को घर से निमंत्रण के लिए निकले थे। देरशाम तक वह नहीं लौटे तो परिवारीजनों ने खोजबीन शुरू की, लेकिन कहीं पता नहीं चल सका। बुधवार की सुबह रामसुख पाठक का शव गांव के बाहर स्थित तालाब की झाड़ियों में पड़ा मिला। सुबह तालाब की ओर गए ग्रामीणों ने शव देखा और परिजनों को जानकारी दी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे के लेकर पीएम के लिए भेज है।

माफिया अतीक अहमद के करीबियों के ठिकानों पर ईडी का छापा

संवाददाता

लखनऊ। प्रयागराज के दो नामचीन बिल्डर भी छापे की जद में आए हैं। दोनों कई सालों से अतीक से जुड़े रहे हैं, जिसकी पुष्टि दो माह पूर्व अतीक के कुछ करीबियों के ठिकानों पर ईडी के छापों में मिले कुछ संपत्तियों के दस्तावेजों से हुई थी।माफिया अतीक अहमद के दो दर्जन से ज्यादा ठिकानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को छापे मारकर शेल कंपनियों के जरिए करोड़ों रुपए संपत्तियों में निवेश करने के प्रमाण जुटाए है। प्रयागराज, लखनऊ, नोएडा और दिल्ली में अतीक से जुड़े कुछ रियल एस्टेट कारोबारियों के ठिकानों पर पहुंची टीमों ने तमाम बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज भी बरामद किए है। ईडी के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है।सूत्रों की माने तो प्रयागराज के दो नामचीन बिल्डर भी छापे की जद में आए हैं।

इंतजार खत्म, जल्द बनेगा कुकहारामपुर-कुसुंभी मार्ग

संवाददाता

लखनऊ। सिंहपुर ब्लॉक की पश्चिमी सीमा पर स्थित गांव कुकहा–कुसुंभी मार्ग निर्माण का इंतजार खत्म हो गया है। इसके लिए पीडब्ल्यूडी विभाग ने टेंडर प्रक्रिया समेत सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। जल्द ही सड़क की मरम्मत होने के बाद लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। कुकहा–कुसंभी कच्चे मार्ग से ब्लॉक क्षेत्र के कुकहा रामपुर, महिया सिंदुरिया, गोयन गांव के अलावा पड़ोसी जिला रायबरेली के गांवों के लोगों को आवागमन में परेशानी हो रहीं थी। हैदरगढ़ व सेमरौता को सीधे जोड़ने वाले मार्ग होने से बड़ी संख्या में लोग आवागमन भी करते थे। मार्ग कच्चा होने से बारिश के दिनों में लोगों को ज्यादा परेशानी होती थी।लोगों को मात्र डेढ़ किलोमीटर की दूरी दूसरे मार्ग से छह किमी. अधिक घूम कर पूरी करनी पड़ रही है। ऐसे में लोगों को परेशानी को देखते हुए लोक निर्माण विभाग ने मार्ग निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर गत दिनों शासन को भेजा था।विभाग के प्रस्ताव को शासन से मंजूरी भी मिल गई है। विभाग ने टेंडर प्रक्रिया समेत अन्य कार्रवाई भी पूरी कर ली है। टेंडर होने के बाद मार्ग निर्माण की उम्मीद बढ़ गई है। मार्ग निर्माण होने के बाद सेमरौता–हैदरगढ़ जाने वालों के साथ सहूलियत मिलेगी। जल्द कुकहा गांव के सर्वोदय आदर्श इंटर कॉलेज के पास से रामपुर ,पूरे गडरिया होकर कुसुंभी गांव सीधे जुड़े पुराने मार्ग से जुड़ जाएगा। कुकहा से पूरे गडरिया तक विधायक निधि से दो किमी इंटर लाकिंग मार्ग का निर्माण हो चुका है। पूरे गडरिया से कुसुंभी तक मात्र डेढ़ किमी कच्चा मार्ग बनने के बाद क्षेत्रीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। पीडब्ल्यूडी के अवर अभियंता डीके गंगवार ने बताया कि कुसुंभी कुकहा रामपुर संपर्क मार्ग जितना कच्चा है उसके डामरी कृत सड़क निर्माण कराने का प्रस्ताव मंजूर हो चुका है। विभाग ने टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है।

25–25 साल से कुंडली मारे जमे संयुक्त निदेशक स्तर के डॉक्टर

संवाददाता

लखनऊ। सरकार की स्थानांतरण नीति जिले में स्वास्थ्य विभाग में तैनात चिकित्सकों पर बेअसर है। कई चिकित्सक 25–25 साल से जिले में ही जमे हैं। प्रमोशन के बाद संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी हो गए हैं, लेकिन सीएचसी की कुर्सी पर कुंडली मारे बैठे हैं। महराजगंज सीएचसी से हटाए गए अधीक्षक भी करीब 24 साल से जिले में ही कार्यरत हैं। इनका भी प्रमोशन संयुक्त निदेशक के स्तर के अधिकारी के पद पर होने के बाद भी सीएचसी अधीक्षक पर मौज उड़ा रहे थे।वर्तमान समय में जिला जेल के अस्पताल में तैनात चिकित्सक डॉ. सुनील अग्रवाल और ऊंचाहार सीएचसी के अधीक्षक डॉ. मनोज शुक्ला करीब 25–25 साल से जिले में ही तैनात हैं। महराजगंज के अधीक्षक पद से डिप्टी सीएम के आदेश पर हटाए गए डॉ. राधाकृष्ण भी 24 साल से जिले में ही काम कर रहे हैं। प्रमोशन होने के बाद भी सलोन में ही मौज काट रहे डॉ. पीके बैसवार भी 20 साल की सेवा जिले को दे चुके हैं। वर्तमान में जिला कुष्ठ रोग अधिकारी के पद पर काम कर रहे एसीएमओ डॉ. राम बहादुर 21 साल और बछरावां के सीएचसी अधीक्षक डॉ. एके जैसल 10 से से जिले में जमे हैं। एसीएमओ डॉ. श्रीकृष्णा व डॉ. एके चौधरी भी 18–18 साल से जिले में ही जमे हैं। डॉक्टरों को स्थानांरित करने का सरकार ने कई बार प्रयास किया, लेकिन कहीं न कहीं कोई जुगाड़ लगाकर ये चिकित्सक तबादले की सूची से बाहर रह गए।

यूपी शिक्षा विभाग ने तोड़ा रिकॉर्ड, गुलाब देवी बोलीं- सीएम के नेतृत्व में हुए कई बदलाव

संवाददाता

लखनऊ। मेधावी छात्र सम्मान समारोह के दौरान माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के रूप में एक दूरदर्शी निर्णय लेने वाला नेतृत्व उत्तर प्रदेश को मिला है। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने 100 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। माध्यमिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने कहा कि बोर्ड परीक्षा में विभाग ने 30 साल का रिकॉर्ड तोड़ा और बिना पेपर लीक, बिना किसी गड़बड़ी के नकलविहीन और तनावविहीन परीक्षा का आयोजन किया है। 15 दिन में परिणाम देकर विभाग ने 100 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। 56 लाख विद्यार्थियों का मूल्यांकन बड़ा काम है। इस कार्यक्रम में बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार संदीप सिंह भी मौजूद रहे।गुलाब देबी अमर उजाला मेधावी छात्र सम्मान समारोह को बतौर विशिष्ट अतिथि संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ के रूप में एक दूरदर्शी निर्णय लेने वाला नेतृत्व उत्तर प्रदेश को मिला है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।